श्रावण कृष्ण - 13 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 23 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 14-08-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 विदेश में फंसे उप्र के लोगों को लाएंगे वापस : योगी आदित्यनाथ

6 अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्ष बनाम सरकार

7 वैश्विक समस्याओं के समाधान में धार्मिक नेता दे सकते हैं अहम योगदान : लोकेश मुनि

फर्स्ट टेक

जातिवादी टिप्पणी, कन्नड अभिनेता उपेन्द्र के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु/भाषा। कन्नड के लोकप्रिय अभिनेता उपेन्द्र के खिलाफ एक विशेष समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाली कथित जातिवादी टिप्पणी के लिए अत्याचार का मामला दर्ज किया गया है। अभिनेता से नेता बने उपेन्द्र ने शनिवार को अपने राजनीतिक संगठन 'प्रजाकीया' की वर्षगांठ के अवसर पर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर संबोधन के दौरान ये टिप्पणी की थीं। पुलिस ने बताया कि उन्हें रविवार को अभिनेता की टिप्पणियों के संबंध में शिकायतें मिली थीं। उपेन्द्र ने शनिवार को ही सोशल मीडिया से लाइव वीडियो हटा दिया था और माफी भी मांगी थी। पुलिस उपायुक्त बेंगलुरु (दक्षिण) पी कृष्णकांत ने बताया कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

तुर्की ने स्वदेशी परीक्षण रॉकेट को अंतरिक्ष में किया प्रक्षेपित

अंकारा/वार्ता। तुर्की ने स्वदेश में निर्मित परीक्षण रॉकेट को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया है। तुर्की अंतरिक्ष एजेंसी ने जानकारी दी है। अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को ट्वीट कर कहा, अंतरिक्ष तक पहुंचने के हमारे देश के प्रयासों के तहत, घरेलू और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकियों से विकसित परीक्षण रॉकेट को इग्नेडा से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया। इस रॉकेट को प्रमुख तुर्की हथियार और मिसाइल निर्माता रोकेटसन द्वारा विकसित किया गया है। तुर्की अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि रॉकेट का इच्छित लक्ष्य 550 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंच रहा है।

डेर अल-ज़ौर में बस हमले के लिए अमेरिकी सेना ज़िम्मेदार : सीरिया

दमिश्क/वार्ता। सीरिया ने कहा है कि इस्लामिक स्टेट (आईएस) द्वारा डेर अल-ज़ौर में उसकी सैन्य बस पर किये गए हमले के लिए अमेरिका दोषी है। इस हमले में सीरिया के 33 सैनिक मारे गए थे। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने शनिवार रात जारी एक बयान में कहा कि यह हमला सीरिया की संप्रभुता और स्वतंत्रता के खिलाफ चल रहे अमेरिकी अभियान का एक हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका सीरिया को अस्थिर करने के लिए आईएस का समर्थन कर रहा है। मंत्रालय ने हमले और सीरिया के तेल और कृषि संसाधनों के निरंतर अमेरिकी दोहन का भी उल्लेख किया। बयान के अनुसार यह आर्थिक दबाव अमेरिकी कब्जे को बढ़ाने और क्षेत्रीय सुरक्षा को अस्थिर करने में मदद करता है।

14-08-2023 सूर्यास्त 6:30 बजे	15-08-2023 सूर्योदय 5:56 बजे
BSE 65,322.65 (-365.53)	NSE 19,428.30 (-114.80)
सोना 6,183 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 77,300 रु. प्रति किलो

भारत में बच्चों को मातृभाषा के साथ हिंदी भी सीखनी चाहिए : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि वह अंग्रेजी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन भारत में बच्चों को अपनी-अपनी मातृभाषाओं के साथ हिंदी भी सीखनी चाहिए। शाह ने इसके साथ ही देश की स्थानीय भाषाओं को संरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। वह यहां भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान (आईआईटीई) के दीक्षांत समारोह के दौरान स्नातक छात्रों को संबोधित कर रहे थे।

शाह ने स्नातक छात्रों से संस्कृत भाषा, उपनिषदों और वेदों में उपलब्ध ज्ञान के भंडार का उपयोग करने का भी आग्रह किया। गृह मंत्री ने कहा कि वह अंग्रेजी के खिलाफ नहीं हैं, क्योंकि भारत एक ऐसा देश है, जो किसी भी प्रकार के ज्ञान का विरोध नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, ''सभी भारतीय भाषाओं को संरक्षित और संवर्धित करना आपकी जिम्मेदारी है, क्योंकि उनमें हमारी संस्कृति, इतिहास, साहित्य और व्याकरण समाहित है। हमें अपनी भाषा को मजबूत बनाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक महत्वपूर्ण पहलू बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाना है।''

■ गृह मंत्री ने कहा कि वह अंग्रेजी के खिलाफ नहीं हैं, क्योंकि भारत एक ऐसा देश है, जो किसी भी प्रकार के ज्ञान का विरोध नहीं कर सकता।

शाह ने कहा, ''मेरा मानना है कि बच्चों को अंग्रेजी के साथ-साथ फ्रेंच, जर्मन जैसी भाषाएं भी सीखनी चाहिए, लेकिन गुजरात के बच्चे को गुजराती और हिंदी दोनों सीखनी चाहिए, असमिया को असम की भाषा और हिंदी दोनों सीखनी चाहिए और तमिल को तमिल और हिंदी दोनों सीखनी चाहिए। अगर ऐसा होता है, तो फिर हमारे देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।''

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान स्थापित इस संस्थान (आईआईटीई) का उद्देश्य पूर्वी और पश्चिमी शैक्षिक दर्शन को एकजुट करना था। उन्होंने कहा, ''संस्कृत उन चार पेपर में से एक है, जो आपको पढ़ाए जाते हैं... मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आपने यहां संस्कृत का जो भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त किया है, उसमें संवर्धन करें। पूरी दुनिया में यदि कोई एक जगह है, जहां ज्ञान का भंडार एकत्र किया गया है, तो वह हमारे उपनिषद, वेद और संस्कृत हैं। एक बार जब आप इनका अध्ययन कर लेंगे, तो जीवन की कोई भी समस्या आपके लिए समस्या नहीं रहेगी।''

शाह ने कहा कि वेद सिखाते हैं कि अच्छे विचारों को यह सोचे बिना ग्रहण करना चाहिए कि ज्ञान कहां से आया है। उन्होंने कहा, ''हमें यह देखना चाहिए कि ज्ञान समाज, लोगों, दुनिया और ब्रह्मांड के लाभ के लिए है या नहीं, इसकी परवाह किए बिना कि वह कहां से आया है।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारे प्राचीन भारतीय शैक्षिक दर्शन को आधुनिक आयाम से जोड़ना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में कई बदलाव हुए हैं और हमें बदलावों को समझना चाहिए और दोनों को एकीकृत करके एक संपूर्ण शिक्षा प्रणाली बनानी चाहिए।

सोशल मीडिया डीपी में तिरंगे की तस्वीर लगाने की प्रधानमंत्री मोदी ने की अपील

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत अपने सोशल मीडिया अकाउंट की डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) में तिरंगे की तस्वीर लगाने का आग्रह किया। मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की डीपी में भी राष्ट्रीय ध्वज की तस्वीर लगाई है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को लोगों से 13 से 15 अगस्त के बीच 'हर घर तिरंगा' आंदोलन में हिस्सा लेने का आह्वान किया था। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, हर घर तिरंगा आंदोलन की भावना के साथ आइए हम अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की डीपी को बदलें और इस अनूठे प्रयास को समर्थन दें जो हमारे प्यारे देश और हमारे बीच के बंधन को गहरा करेगा।

पीएफआई साजिश मामले में

एनआईए ने पांच राज्यों में छापेमारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने लोगों के बीच सांप्रदायिक भावना पैदा कर शांति भंग करने और देश को अस्थिर करने की 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) की साजिश को नाकाम करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत रविवार को पांच राज्यों में छापेमारी की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

संघीय एजेंसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और बिहार में 14 स्थानों की तलाशी ली गई, जिसमें कई डिजिटल उपकरणों के साथ-साथ आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए गए। उन्होंने कहा कि एनआईए ने केरल के कन्नूर और मालप्पुरम जिलों, कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़, महाराष्ट्र के नासिक और कोल्हापुर, पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और बिहार के कटिहार में छापेमारी की।

प्रवक्ता ने कहा, एनआईए आतंक, हिंसा और तोड़फोड़ की गतिविधि के माध्यम से 2047 तक भारत में इस्लामी शासन स्थापित करने के लिए एक सशस्त्र कैडर बनाने के पीएफआई और उसके शीर्ष नेतृत्व के प्रयासों को उजागर करने और विफल करने के लिए काम कर रहा है।

जम्मू कश्मीर के युवा 'तिरंगे' से प्यार करते हैं : मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को श्रीनगर में एक विशाल 'तिरंगा' रैली में हिस्सा लिया और कहा कि केंद्र-शासित प्रदेश के युवा राष्ट्रीय ध्वज से प्यार करते हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के हिस्से के तौर पर आयोजित रैली में सिन्हा ने प्रत्यक्ष तौर पर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग दावा करते थे कि जम्मू-कश्मीर में तिरंगा उठाने के लिये कोई नहीं बचेगा, उन्हें इस रैली में लोगों की भीड़ देखनी चाहिए। उन्होंने कहा, वे, जो कहते थे कि जम्मू-कश्मीर में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं बचेगा, उन्हें समझ आ गया होगा कि जम्मू-कश्मीर का हर युवा राष्ट्रीय ध्वज को उतना ही प्यार करता है, जितना देश के किसी अन्य हिस्से के लोग।

पीडीपी अध्यक्ष ने कहा था कि अगर जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा रद्द किया गया तो यहां राष्ट्रीय ध्वज उठाने वाला कोई नहीं बचेगा। उन्होंने कहा, आज पूरे देश में जम्मू-कश्मीर के लोगों की सराहना की जा रही है। चूंकि हम लोगों को एकजुट कर रहे हैं और विकास को गरीबों और वंचितों तक पहुंचा रहे हैं, इसलिये कुछ लोग इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे। सिन्हा ने कहा, एक समय था जब कश्मीर के युवाओं को गुमराह किया गया था लेकिन आज वे राष्ट्र और जम्मू-कश्मीर के निर्माण में योगदान दे रहे हैं। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है...।

ममता के शासन में पिछड़ रहा है बंगाल

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने रविवार को कहा कि पश्चिम बंगाल एक समय देश के पुनर्जागरण का पालना था लेकिन अब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के ''कुशासन'' की वजह से पिछड़ रहा है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के राज्य में ''जंगल राज'' स्थापित करने को लेकर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा कि उन्हें देशभर में ''लोकतंत्र के चैंपियन'' के तौर पर व्यवहार करना बंद कर देना चाहिए।

यहां आयोजित पार्टी के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, ''पश्चिम बंगाल एक समय पूरे देश के लिए पुनर्जागरण का पालना था। यह बंगाल ही था जो पूरे देश को रास्ता दिखाता था लेकिन गत कुछ दशकों से बंगाल पिछड़ रहा है। वाम शासन के वर्षों के कुशासन के बाद तृणमूल का कुशासन आया। आज बंगाल महिलाओं के खिलाफ अपराध, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी में शीर्ष पर है।''

राष्ट्रपति ने किया राज्यसभा का सत्रावसान

नई दिल्ली/वार्ता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज राज्यसभा के मानसून सत्र का सत्रावसान कर दिया है। राष्ट्रपति सचिवालय से रविवार को जारी वक्तव्य में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने राज्यसभा का सत्रावसान कर दिया है। उल्लेखनीय है कि गत 20 जुलाई को शुरू हुए मानसून सत्र के समापन के बाद 11 अगस्त को सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी।

पंजाब पुलिस ने आतंकी 'मॉड्यूल' का भंडाफोड़ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। स्वतंत्रता दिवस से पहले पंजाब पुलिस ने तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर और उनके पास से तीन पिस्तौल जब्त कर एक आतंकी 'मॉड्यूल' का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है वे चेक गणराज्य में रह रहे गुरदेव सिंह नाम के व्यक्ति के साथी हैं। गुरदेव कनाडा में रह रहे आतंकवादी लखबीर सिंह का करीबी है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, पंजाब पुलिस ने खुफिया शाखा और तरणतारण पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाकर एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है तथा चेक गणराज्य में रह रहे गुरदेव सिंह के साथियों को गिरफ्तार किया है। गुरदेव कनाडा में रह रहे लखबीर सिंह और सतबीर सिंह का करीबी है। सरहाली थाने पर आरपीजी हमले तथा पंजाब में लक्षित हत्याओं की साजिश रचने में लखबीर सिह और सतबीर सिंह का हाथ है।

पुलिस महानिदेशक ने कहा, प्राथमिक जांच के दौरान आरोपियों ने पंजाब में शांति व सद्भाव बिगाड़ने की एक साजिश का खुलासा किया।

ठाणे के सरकारी अस्पताल में 24 घंटे के दौरान 18 मरीजों की मौत, जांच समिति गठित

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे शहर के कलवा में नगर निकाय द्वारा संचालित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में पिछले 24 घंटों में 18 मरीजों की मौत हो गई। निगमायुक्त अभिजीत बांगर ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए समिति गठित की गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने मौतों को हृदय विदारक बताया और कहा कि हाल में एक ही दिन में अस्पताल में पांच लोगों की मौत के बावजूद प्रशासन नहीं जागा।

बांगर ने बताया कि मृतकों में 10 महिलाएं और आठ पुरुष शामिल हैं, जिनमें से छह ठाणे शहर से, चार कल्याण से, तीन शाहपुर से, एक-एक भिवंडी, उल्हासनगर और गोवंडी (मुंबई में) से थे, जबकि एक मरीज किसी अन्य जगह से और एक अज्ञात था। आयुक्त ने कहा कि मृतक मरीजों में से 12 की उम्र 50 वर्ष से अधिक थी।

इससे पहले, दिन में महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत और स्थानीय पुलिस उपायुक्त गणेश गावड़े ने छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में पिछले 24 घंटों में 17 मरीजों की मौत होने की जानकारी दी थी।

बांगर ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्थिति के बारे में जानकारी ली और एक स्वतंत्र जांच समिति के गठन का आदेश दिया, जिसकी अध्यक्षता स्वास्थ्य सेवा आयुक्त करेंगे।

हिमाचल में बारिश से जनजीवन प्रभावित, भूस्खलन से 452 सड़कें बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/वार्ता। हिमाचल प्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। राज्य भर में व्यापक बारिश का दौर जारी है। इससे विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन होने से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक रविवार सुबह तक राज्य भर में भूस्खलन से दो राष्ट्रीय राजमार्ग और 452 सड़कें बंद हैं।

इसके अलावा 1814 बिजली ट्रांसफार्मर और 59 जलापूर्ति योजनाएं भी ठप हैं। मंडी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। इस जिला में 236 सड़कें और 1335 बिजली ट्रांसफार्मर बंद पड़े हैं। शिमला में 59, बिलासपुर में 40, कुल्लू में 39, हमीरपुर में 28 और सोलन में 21 सड़कें अवरुद्ध हैं। हमीरपुर में 445 ट्रांसफार्मर खराब होने से कई गांवों में बिजली गुल है। भूस्खलन से मंडी जिला में मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे-21 और सोलन जिला में कालका-शिमला नेशनल हाईवे पर वाहनों की आवाजाही ठप है।

शिमला जिला में रात भर हुई भारी वर्षा से जगह-जगह भूस्खलन और पेड़ों के धराशायी होने की घटनाएं सामने आने से लोग परेशान हुए। शिमला के दुधली में रविवार सुबह सड़क किनारे पार्क तीन गाड़ियां भूस्खलन की चपेट में आ गई। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस के मुताबिक भूस्खलन से तीन गाड़ियां दब गई है। इन्हें जेसीबी व क्रेन की मदद से निकाला जा रहा है। इसके अलावा मण्डी से शिमला सवारियाँ लेकर आई एक निजी बस पेड़ की चपेट में आ गई। टूटीकंडी के पास एक विशालकाय पेड बस पर गिरा जिससे बस को नुक्सान हुआ है तथा परिचालक को चोट लगी। परिचालक को अस्पताल में दाखिल किया गया है।

इधर, रविवार सुबह करीब साढ़े छह बजे शिमला-बिलासपुर सड़क मार्ग पर वर्षा शालिका से आगे हीरानगर के बीच एक देवदार का पेड़ गिरने से नेशनल हाइवे लगभग अढ़ाई घण्टे अवरुद्ध हुआ। इसके चलते शिमला का सम्पर्क निचले हिमाचल से कट गया था। हालांकि प्रशासन ने तुरंत सड़क से पेड़ को हटाने का काम शुरू किया और नौ बजे हाइवे को बहाल कर दिया।

इसी तरह हिमलैंड् के पास सुबह-सुबह भूस्खलन हुआ है। जिससे छोटा शिमला और बीसीएस, कसुम्पटी की ओर जाने वाली सड़कें बन्द हो गई है। कैंथू लाईन शिमला की ओर जाने वाली सड़क पर एआरओ ओफिस के साथ सीपीडब्ल्यूडी की बिल्डिंग के आंगन से ढंगा धंसने के कारण सड़क मार्ग बंद हो गई है। इस जगह देवदार के दो पेड़ गिरने के कगार पर हैं।

मौसम विभाग ने अगले तीन दिन राज्य में भारी बारिश की चेतावनी दी है। मैदानी एवं मध्यपर्वतीय क्षेत्रों में भारी बारिश का 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। विभाग ने शिमला सहित आठ जिलों में बाढ़ आने की आशंका भी जताई है। 17 अगस्त तक राज्य भर में मौसम खराब रहेगा। हिमाचल पुलिस ने खराब मौसम के मद्देनजर एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों व सैलानियों से एहतियात बरतने की अपील की है। पर्यटकों को नदी-नालों के किनारों पर न जाने और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की यात्रा न करने की सलाह दी गई है।

रविवार सुबह 8:30 बजे तक सुंदरनगर में सबसे ज्यादा 166 मिमी बारिश रिकार्ड की गई। इसके अलावा मंडी में 115, बरठी में 83, पालमपुर में 67, बिलासपुर में 60, जुब्बड़हट्टी में 50 और शिमला में 45 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड हुई है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

महामना मंत्री

है लोकतंत्र में वही श्रेष्ठ,
जो हो सरकारों में मंत्री।
जिसके आगे नतमस्तक सब,
चाहे हो अफसर या संत्री।
है शिखर पुरुष वो महामना,
आदर देते सब गणतंत्री।
जनता ना करती माफ उसे,
हो अगर भ्रष्ट या षड़यंत्री।।

स्वतंत्रता दिवस के लिए तैयारियां पूरी, प्रधानमंत्री मोदी लाल किले से समारोह का नेतृत्व करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 अगस्त को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले से 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोहों में देश का नेतृत्व करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि लाल किले पर समारोह का हिस्सा बनने के लिए देश भर से विभिन्न पेशों से जुड़े 1,800 लोगों को उनके जीवनसाथी के साथ विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और इस ऐतिहासिक स्मारक की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे।

बयान में कहा गया कि इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह का समापन होगा और 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के सपने को साकार करने के लिए देश नए उत्साह के साथ 'अमृत काल' में प्रवेश करेगा। 'आजादी का अमृत महोत्सव' का आगाज प्रधानमंत्री ने 12 मार्च, 2021 को गुजरात के अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम से किया था।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस वर्ष बड़ी संख्या में अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। विशिष्ट अतिथि के रूप में करीब 1,800 लोगों को उनके जीवनसाथी के साथ आमंत्रित किया गया है। यह पहल सरकार के 'जनभागीदारी' दृष्टिकोण के अनुरूप की गई है।

बयान में कहा गया कि इन विशिष्ट अतिथियों में 660 से अधिक 'वाइब्रेंट विलेज' के 400 से अधिक सरपंच; किसान उत्पादक संगठन योजना से जुड़े 250 लोग; प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के 50-50 प्रतिभागी; नई संसद भवन सहित सेंट्रल विस्टा परियोजना से जुड़े 50 श्रम योगी (निर्माण श्रमिक) शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि इसके अलावा खादी कार्यकर्ता, सीमा पर स्थित सड़कों के निर्माण, अमृत सरोवर और हर घर जल योजना से जुड़े लोगों के साथ-साथ प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक, नर्स और मछुआरे भी शामिल हैं। इनमें से कुछ विशिष्ट अतिथियों का दिल्ली में अपने प्रवास के दौरान राष्ट्रीय समर स्मारक का दौरा करने और रक्षा राज्यमंत्री श्री अजय भट्ट से मुलाकात करने का कार्यक्रम है।

बयान में कहा गया कि प्रत्येक राज्य, केन्द्र-शासित प्रदेश से 75 जोड़ों को भी उनके पारंपरिक परिधान में लाल किले में आयोजित समारोह को देखने के लिए आमंत्रित किया गया है।

स्वतंत्रता दिवस समारोहों के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है: जम्मू कश्मीर पुलिस प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने रविवार को कहा कि केंद्रशासित प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस समारोह का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने कहा कि जम्मू कश्मीर में लोगों को बड़ी संख्या में स्वतंत्रता दिवस समारोहों/कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहिए। सिंह ने यहां 'तिरंगा रैली' में कहा, लोगों में काफी उत्साह है और लोग स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहते हैं। हमने स्वतंत्रता दिवस समारोहों के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किये हैं। जम्मू कश्मीर में सक्रिय आतंकवादियों की संख्या अधिक नहीं है, लेकिन सुरक्षाबल चौकसी कतई घटा नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें संख्या पर नहीं जाना है जो कहीं से भी अधिक नहीं है। लेकिन सीमापार से तथा सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को गुमराह करने की कोशिश की जा सकती है। लेकिन, युवा समझ गये हैं कि यह (आतंकवाद) विनाश का मार्ग है। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से घुसपैठ के प्रयास किये गये हैं, लेकिन नियंत्रण रेखा पर ही ज्यादातर प्रयास विफल कर दिये गये।

भाजपा विधायक ने लातूर में आईआईटी व एम्स जैसे संस्थान खोलने की मांग की

लातूर/भाषा। भाजपा के विधायक संभाजी पाटिल निलंगेकर ने कहा कि महाराष्ट्र के लातूर जिले में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे संस्थान स्थापित किए जाने चाहिए। निलंगेकर एक सामाजिक संगठन की ओर से आयोजित कार्यक्रम को शनिवार को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम का आयोजन कृषि, शिक्षा एवं कौशल विकास, महिला एवं बाल कल्याण, स्वास्थ्य, जल प्रबंधन, पर्यावरण, सामाजिक कल्याण तथा सुरक्षा और कला एवं साहित्य जैसे विषयों पर चर्चा के जरिए लातूर के लिए स्थायी विकास के स्रोत तलाशना था। भाजपा विधायक ने कहा, जिले में विभिन्न क्षेत्रों में क्षमताएं हैं, लेकिन जरूरत इस बात की है कि इसके भविष्य को रोशन करने के लिए काम किया जाए। लातूर जिला ज्ञान के केंद्र के तौर पर जाना जाता है, लेकिन यह अफसोस जनक है कि स्थानीय युवाओं को शिक्षा पूरी करने के बाद रोज़गार के लिए पलायन करना पड़ता है।

डेलॉयट ने की थी हिंडनबर्ग के आरोपों की बाहर से स्वतंत्र जांच की मांग

नई दिल्ली/भाषा। अडाणी समूह की एक कंपनी से लेखा परीक्षक के तौर पर इस्तीफा देने से पहले डेलॉयट ने अमेरिकी शॉर्टसेलर हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों की बाहर से स्वतंत्र जांच कराने की मांग की थी।

कंपनी ने हालांकि कहा कि आरोपों का वित्तीय लेखा-जोखा पर कोई असर नहीं पड़ा था और डेलॉयट के छोड़कर जाने के लिए बताया गया कारण संतोषजनक नहीं था। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशन इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने शेयर बाजार को भेजे 163 पन्नों की रिपोर्ट में डेलॉयट हास्किंस एंड सेल्स एलएलपी का इस्तीफा भेजा था। एपीएसईजेड ने कहा कि डेलॉयट के अधिकारियों ने बैठक में अडाणी समूह की अन्य सूचीबद्ध कंपनियों के लेखा परीक्षक (ऑडिटर) के रूप में व्यापक ऑडिट भूमिका की कमी पर चिंता व्यक्त की। हालांकि, फर्म ने ऑडिटर को बताया कि ऐसी नियुक्तियों की सिफारिश करना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है क्योंकि अन्य संस्थाएं पूरी तरह स्वतंत्र हैं। पूर्व केंद्रीय गृह सचिव व एपीएसईजेड की लेखापरीक्षा समिति के चेयरमैन गोपाल कृष्ण पिल्लई ने कहा, (एपीएसईज़ेड की) लेखापरीक्षा समिति का विचार था कि वैधानिक लेखापरीक्षक के रूप में इस्तीफे के लिए डेलॉयट द्वारा दिए आधार इस तरह के कदम के लिए ठोस या पर्याप्त नहीं थे।

अजित और शरद पवार के बीच क्या बातचीत हुई, इसकी जानकारी नहीं : जयंत पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार और पार्टी के बागी गुट का नेतृत्व कर रहे अजित पवार के बीच पुणे में गोपनीय बैठक से महाराष्ट्र में बढ़ी राजनीतिक सरगर्मियों के बीच राकांपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने रविवार को कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि पार्टी संस्थापक और उनके भतीजे के बीच क्या बातचीत हुई।

पाटिल ने यह भी कहा कि यह कोई गोपनीय बैठक नहीं थी। राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्हें इस प्रकार की बैठक की कोई जानकारी नहीं है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने संवाददाताओं से कहा, मैं आपको कोई जानकारी नहीं दे सकता। ऐसा माना जा रहा है कि शरद पवार और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को पुणे में एक कारोबारी के आवास पर मुलाकात की थी। क्षेत्रीय समाचार चैनल द्वारा प्रसारित दृश्यों में शरद पवार शनिवार अपराह्न करीब एक बजे कोरेगांव पार्क क्षेत्र में कारोबारी के आवास पर पहुंचते दिखे। शाम करीब पांच बजे शरद पवार वहां से चले गये। इसके लगभग दो घंटे के बाद अजित पवार को शाम पौने सात बजे कैमरे से बचने की कोशिश करते हुए एक कार में परिसर से बाहर निकलते देखा गया। जयंत पाटिल ने रविवार को कहा कि यह कोई गोपनीय बैठक नहीं थी। उन्होंने कहा, मैं पवार साहब के साथ एक परिचित के यहां गया और जल्दी निकल गया। बाद में क्या हुआ, मुझे इसकी जानकारी नहीं है।

छत्तीसगढ़ में जीत के प्रति आश्वस्त हूं, लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को समर्थन दें : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जांजगीर/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को भरोसा जताया कि उनकी पार्टी इस साल के अंत में होने वाले छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में एक बार फिर जीत हासिल करेगी और लोगों से संविधान एवं लोकतंत्र को बचाने के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी को समर्थन करने का आग्रह किया।

खरगे यहां राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम भरोसे का सम्मेलन में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और सत्ता पक्ष के नेता मौजूद थे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला केंद्र लोगों को तबाह करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन लोगों को सतर्क रहना चाहिए और अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता में लाना चाहिए। हम छत्तीसगढ़ (विधानसभा चुनाव) में पार्टी की जीत के प्रति आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा, हम संविधान और लोकतंत्र को बचाना चाहते हैं। इसलिए हमें पूरे देश में काम करना होगा।

खरगे ने संसद में भाषण के दौरान मणिपुर मुद्दे पर राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब नहीं देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस नेता गांधी और 'इंडिया' के नेताओं के सवालों का जवाब नहीं दिया। अपने भाषण के दौरान कांग्रेस पार्टी को दोषी ठहराते रहे और नेताओं का मजाक उड़ाते रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी पर देश और समाज को बांटने का काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी लगातार यह पूछते रहते हैं कि कांग्रेस ने 70 वर्षों में क्या किया। उन्होंने कहा, राजीव गांधी के बाद गांधी परिवार का कोई भी सदस्य प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री नहीं बना। गांधी परिवार ने कभी सत्ता के लिए लड़ाई नहीं लड़ी क्योंकि वे सिर्फ देश की सेवा करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2014 में संसद की सीढ़ियों पर झुकने और प्रणाम करने को नाटक करार देते हुये कांग्रेस प्रमुख ने कहा, यह सब सिर्फ नाटक था। मोदी नाटक कंपनी में शामिल होने के बजाए संसद में आ गए हैं।

ठाणे में अवैध रूप से रखे गए 2.69 लाख रुपये के खांसी के सीरप जब्त

ठाणे/भाषा। पुलिस के मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले में स्थित एक घर में अवैध तरीके से रखे गए 2.69 लाख रुपये कीमत के खांसी के सीरप जब्त किए हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय शिंदे ने कहा कि शिकायतों और गुप्त सूचना के आधार पर एएनसी ने 10 अगस्त को शिल फाटा इलाके में एक फ्लैट पर छापा मारा और खांसी के दो तरह के सीरप की 1611 बोतलों को जब्त किया। अधिकारी ने बताया कि फ्लैट में रहने वाले शख्स की पहचान एस. इस्माइल शेख (25) के तौर पर हुई है और उसके पास यह दवाई रखने और बेचने का लाइसेंस नहीं है। उन्होंने बताया कि व्यक्ति के खिलाफ मादक पदार्थ संबंधी एनडीपीएस कानून और सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और उसे फिलहाल गिरफ्तार नहीं किया गया है।

जम्मू-कश्मीर के लोगों की नौकरी, भूमि अधिकार सुरक्षित रखने के लिए संघर्ष जारी रखेगी डीपीएपी : आजाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी जम्मू-कश्मीर के लोगों की नौकरियों और जमीन पर अधिकार सुरक्षित करने की राजनीतिक लड़ाई जारी रखेगी। पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर अगले विधानसभा चुनाव में डीपीएपी जीत दर्ज करती है और सरकार बनाती है तो वह विकास और भ्रष्टाचार मुक्त शासन पर ध्यान केंद्रित करेगी। आजाद ने कहा, जम्मू-कश्मीर लौटने का मेरा उद्देश्य आम लोगों की सामाजिक-राजनीतिक मुक्ति से जुड़ा है। हम स्थानीय लोगों के लिए नौकरियां और भूमि अधिकार सुरक्षित करने के लिए अपनी राजनीतिक लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने अगस्त 2022 में कांग्रेस से करीब पांच दशक पुराने संबंध को तोड़ लिया था और बाद में डीपीएपी नाम से नई पार्टी बनाई थी। चेनाब घाटी के 10 दिवसीय दौरे के समापन पर अपने गृहनगर भद्रवाह के चिराल्ला में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए आजाद ने कहा, स्थानीय लोगों के लिए भूमि और नौकरियों पर अधिकार सुरक्षित करना मेरी पार्टी का प्राथमिक एजेंडा है। इसलिए हमारी लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक केंद्र से इस संबंध में गारंटी नहीं मिल जाती। उन्होंने कहा कि उनका सपना इलाके के लोगों को राजनीतिक और आर्थिक रूप से इतना सशक्त बनाना है कि उन्हें किसी के आगे भीख मांगने की जरूरत न पड़े।

देश के 235 केंद्रीय विद्यालयों के पास स्थायी भवन नहीं

नई दिल्ली/भाषा। देश में 235 केंद्रीय विद्यालयों के पास स्थायी भवन नहीं हैं और वे अस्थायी भवनों में काम कर रहे हैं। संसदीय समिति की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार, शिक्षा मंत्रालय ने संसदीय समिति को बताया कि 235 केंद्रीय विद्यालय प्रायोजक एजेंसी द्वारा उपलब्ध कराए गए अस्थायी आवास में कार्य कर रहे हैं। देश में कुल 1,253 केंद्रीय विद्यालय हैं। संसद के दोनों सदनों में आठ अगस्त को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद विवेक ठाकुर की अध्यक्षता वाली शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी स्थायी समिति की 'सरकार द्वारा की गई कार्रवाई रिपोर्ट' पेश की गई। रिपोर्ट के अनुसार, इन 235 केंद्रीय विद्यालयों में 107 को भूमि स्थानांतरित कर दी गई है और वहां निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

रेहड़ी-पटरी वालों को ऋण देने की योजना पर मिलकर काम करें बैंक, नगर निकाय : केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय मंत्री भागवत के. कराड ने बैंकों और नागरिक निकायों से रेहड़ी पटरी वालों को आसानी से ऋण मुहैया कराने के लिए शुरू की गई 'पीएम स्वनिधि योजना' के लक्ष्य हासिल करने के लिए मिलकर काम करने को कहा है। कराड ने बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में योजना के क्रियान्वयन के आकलन के लिए शनिवार को एक क्षेत्रीय स्तर की बैठक की अध्यक्षता की।

एक बयान में बताया गया कि कराड ने इस बैठक में नगर निकायों से बैंकों द्वारा लौटाए गए आवेदनों की समीक्षा करने और उनमें आवश्यक सुधार करने के बाद उन्हें फिर से बैंक में जमा कराने को कहा।

इसमें कहा गया कि वित्त राज्य मंत्री ने नगर निकायों को समयबद्ध तरीके से लक्ष्य हासिल करने के लिए नए आवेदनों को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। बयान के अनुसार, कराड ने शहरी स्थानीय निकायों से नवोन्मेषी रणनीतियों के जरिए अपने प्रयास तेज करने की अपील की ताकि रेहड़ी पटरी वालों को डिजिटल माध्यमों से जोड़ा जा सके। बैठक में राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों, नगर निगम आयुक्तों एवं राज्य स्तरीय बैंकर समितियों (एसएलबीसी) के संयोजकों और अन्य लोगों ने हिस्सा लिया।

पन्ना बाघ अभयारण्य में नदी में फंसी हथिनी को बचाया गया

पन्ना (मप्र)/भाषा। मध्य प्रदेश के पन्ना बाघ अभयारण्य में केन नदी में फंसी एक हथिनी को बचा लिया गया है। यह जानकारी अधिकारियों ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि घटना बृहस्पतिवार की है और हथिनी को चार घंटे के अभियान के बाद बचाया जा सका।

पन्ना बाघ अभयारण्य के उपसंचालक रिपुदमन सिंह भदौरिया ने बताया कि बृहस्पतिवार को सूचना मिली थी कि पन्ना बाघ अभयारण्य के मदला क्षेत्र में केन नदी में एक हथिनी फंस गई है। उन्होंने कहा कि हथिनी के पैर जंजीर से बंधे हुए थे और इस लिए उसे पानी से निकालने में मुश्किल आ रही थी, इस दौरान हथिनी ने सांस लेने के लिए अपनी सूंड ऊपर की हुई थी।

भदौरिया ने बताया कि उन्होंने मदद के लिए पन्ना और पड़ोसी छतरपुर जिले के जिलाधिकारियों से संपर्क किया और उन्होंने तुरंत राज्य आपदा आपातकालीन प्रतिक्रिया बल (एसडीईआरएफ) और होम गार्ड की टीम को भेजा।

टाटा स्टील अभी किसी नए अधिग्रहण को उत्सुक नहीं है : कंपनी सीईओ

नई दिल्ली/भाषा। टाटा समूह की कंपनी टाटा स्टील अभी किसी अन्य नए अधिग्रहण के लिए उत्सुक नहीं है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टी वी नरेंद्रन ने ऐसे समय में यह बयान दिया है जब वेदांता लिमिटेड अपने इस्पात तथा इस्पात बनाने वाले कच्चे माल के कारोबार की समीक्षा व मूल्यांकन कर रही है। वेदांता लिमिटेड ने जून में कहा था कि वह तुरंत समीक्षा शुरू करेगा और अपने कुछ या सभी इस्पात व्यवसायों की संभावित रणनीतिक बिक्री सहित विकल्पों की एक विस्तृत शृंखला का मूल्यांकन करेगी।

नरेंद्रन ने वेदांता लिमिटेड के इस्पात व्यवसाय को खरीदने में उनकी कंपनी की रुचि पर पूछे सवाल पर कहा, हम किसी अन्य नए अधिग्रहण के लिए उत्सुक नहीं हैं... हमें इसकी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि टाटा स्टील की मौजूदा साइट पर अभी करने को बहुत कुछ है। उन्होंने टाटा स्टील के ब्रिटेन स्थित परिचालन के बारे में कहा, हम ब्रिटेन सरकार के साथ समाधान के लिए बातचीत कर रहे हैं। हम सरकार (वहां की) के साथ आम सहमति बनाना चाहेंगे।

भाजपा के साथ नहीं जाएगी राकांपा, हालांकि कुछ शुभचिंतक मुझे मनाने का प्रयास कर रहे हैं : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ नहीं जाएगी, हालांकि कुछ शुभचिंतक उन्हें मनाने की कोशिश कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के सांगोला में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि भाजपा के साथ कोई भी जुड़ाव राकांपा की राजनीतिक नीति में फिट नहीं बैठता है। उन्होंने कहा, राकांपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में, मैं यह स्पष्ट कर रहा हूं कि मेरी पार्टी (राकांपा) भाजपा के साथ नहीं जाएगी। भाजपा के साथ कोई भी जुड़ाव राकांपा की राजनीतिक नीति में फिट नहीं बैठता है। पवार ने कहा कुछ शुभचिंतक उन्हें मनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह कभी भी भाजपा के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। शरद पवार ने बिना नाम लिए कहा, हममें से कुछ (अजित पवार के नेतृत्व वाला राकांपा समूह) ने अलग रुख अपनाया है। हमारे कुछ शुभचिंतक यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या हमारे रुख में कोई बदलाव हो सकता है। यही कारण है कि वे हमसे सौहार्दपूर्ण चर्चा करने की कोशिश कर रहे हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल अपने भतीजे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ शनिवार को पुणे में उनकी 'गुप्त' बैठक के बारे में पूछे जाने पर, शरद पवार ने कहा, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि वह मेरे भतीजे हैं। भतीजे से मिलने में क्या बुराई है? यदि परिवार का कोई वरिष्ठ व्यक्ति परिवार के किसी अन्य सदस्य से मिलना चाहता है, तो इसमें कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। राकांपा प्रमुख ने यह भी कहा कि लोग राज्य की बागडोर महा विकास आघाड़ी को सौंपेंगे-जिसमें शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राकांपा (शरद पवार समूह) और कांग्रेस शामिल हैं। शरद पवार ने रविवार को दिवंगत विधायक गणपतराव देशमुख की प्रतिमा का अनावरण करने के लिए सोलापुर जिले में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस के साथ मंच साझा किया। अजित पवार ने पिछले महीने शिवसेना-भाजपा सरकार में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, जबकि उनके गुट के आठ अन्य राकांपा विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली थी।

उच्च न्यायालय ने एनजीओ ऑक्सफैम इंडिया की आईटी पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही पर रोक लगाई

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गैर- सरकारी संगठन ऑक्सफैम इंडिया के खिलाफ आयकर पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। अदालत ने आयकर विभाग को नोटिस जारी किया है और उससे एनजीओ की याचिका पर जवाब मांगा है। ऑक्सफैम ने आयकर विभाग की ओर से उसे जारी किये गये नोटिस एवं आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। रिकॉर्ड के अनुसार, सात सितंबर, 2022 को इस एनजीओ का आयकर विभाग द्वारा सर्वे किया गया, फलस्वरूप वित्त वर्ष 2016-17 के लिए पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू की गयी तथा इस साल 29 मार्च को ऑक्सफैम को आयकर विभाग का नोटिस जारी किया गया। न्यायमूर्ति राजीव शकधर और न्यायमूर्ति गिरीश कठपलिया की पीठ ने कहा, छह सप्ताह के अंदर प्रति-हलफनामा दाखिल किया जाए। जवाबी दावा, यदि कोई हो तो, अगली सुनवाई की तारीख से कम से कम पांच दिन पहले दाखिल किया जाए।

1989 में जयललिता पर हमले का मामला

स्टालिन ने सीतारमण पर उठाये सवाल, पलानीस्वामी ने हमले की बात मानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/मदुरै। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने संसद में दिये गये केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के उस बयान पर सवाल उठाये हैं जिसमें राज्य विधानसभा में वर्ष 1989 में दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललि पर हुए कथित हमले का जिक्र किया गया था। हालांकि, अन्नाद्रमुक नेता ई. के. पलानीस्वामी ने दिवंगत नेता जयललिता पर हमले की घटना को स्वीकार किया तथा इस बारे में दिये गये बयान को लेकर स्टालिन पर पलटवार किया। लोकसभा में 10 अगस्त को अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान सीतारमण ने मणिपुर मुद्दे पर अपने भाषण के बाद द्रमुक सांसद कनिमोझी को 25 मार्च, 1989 को तमिलनाडु विधानसभा में हुई उस घटना के बारे में याद दिलाने की कोशिश की थी जब तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष जयललिता की साड़ी खींची गई थी।

उन्होंने कहा, 'यह एक बहुत ही पवित्र सभा है, विधानसभा में विपक्ष की नेता जयललिता की साड़ी खींची गई। उनकी साड़ी खींची गई और वहां बैठे द्रमुक सदस्यों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की, उन पर हंसे और उनका मजाक उड़ाया...।'

एक दैनिक को दिए गये साक्षात्कार में स्टालिन ने वित्त मंत्री के आरोपों का खंडन किया और दिवंगत जयललिता का जिक्र करते हुए कहा, विधानसभा में मौजूद हर कोई जानता था कि यह उनके द्वारा रचा गया एक नाटक था। यहां द्रमुक की एक विज्ञप्ति में स्टालिन को यह कहते हुए उद्धृत किया गया, सदन में जयललिता के साथ ऐसी घटना नहीं हुई। विधानसभा में मौजूद सभी लोग जानते हैं कि यह उनके द्वारा रचा गया एक नाटक था। सीतारमण की टिप्पणियां अफसोसजनक' थीं।

स्टालिन के हवाले से कहा गया कि अखिल भारतीय द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के पूर्व नेता और अब कांग्रेस सांसद सुब्बुरमण थिरुनावुक्करासर ने पहले राज्य विधानसभा में कहा था कि जयललिता ने ऐसा करने के लिए 'अभ्यास' (रिहर्सल) किया था। मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि संबंधित घटनाओं को विस्तार से प्रकाशित किया गया था। उन्होंने स्टालिन के बयान पर सवाल भी उठाये।

पलानीस्वामी ने कहा कि वह अन्नाद्रमुक विधायक के रूप में सदन में उस वक्त मौजूद थे, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री दिवंगत एम. करुणानिधि की उपस्थिति में जयललिता पर 'हमला' किया गया था। पलानीस्वामी ने कहा, 'इसके बारे में विस्तार से रिपोर्ट सामने आयी थी। यह सब करुणानिधि की उपस्थिति में हुआ था। द्रमुक के मंत्रियों और विधायकों ने अम्मा पर गंभीर हमला किया... एक वरिष्ठ मंत्री ने उनकी साड़ी खींची, दूसरे (तत्कालीन) मंत्री ने उनके बाल खींचे... यह एक काला दिन था।'

नीट छूट में अब राज्यपाल की कोई भूमिका नहीं : स्वास्थ्य मंत्री सुब्रमण्यम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम ने एनईईटी छूट के लिए विधेयक को मंजूरी नहीं देने पर तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि की टिप्पणी का जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि विधेयक राष्ट्रपति के पास चला गया है और हम स्पष्टीकरण जारी कर रहे हैं, जैसा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय से

अनुरोध किया गया है, राज्यपाल की भूमिका की अब आवश्यकता नहीं है। बिल पर हस्ताक्षर न करने के राज्यपाल के बयान पर बात करते हुए मा सुब्रमण्यम ने कहा कि अब से राज्यपाल का नीट छूट से कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि राज्यपाल का एकमात्र काम विधानसभा द्वारा पारित विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजना है।

उन्होंने आगे कहा कि जब उन्होंने इसे भेजने से इनकार कर दिया तो बिल दूसरी बार पारित हुआ और उन्हें इसे राष्ट्रपति के पास भेजना पड़ा। उनकी भूमिका यहीं समाप्त हो जाती है और एनईईटी का राज्यपाल से कोई लेना-देना नहीं है और उनकी मंजूरी अब आवश्यक नहीं है।

उन्होंने कहा कि छूट के लिए, राष्ट्रपति को गृह मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बाद विधेयक को मंजूरी देनी होगी।

अनुमोदित जानकारी केवल राज्यपाल को सूचित की जाएगी और उनकी मंजूरी के लिए नहीं भेजी जाएगी। इस प्रकार, राज्यपाल और एनईईटी छूट के बीच किसी भी तरह से कोई संबंध नहीं है।

मणिपुर हिंसा : म्यांमार में फंसे 230 लोगों को बचाने के लिए सीपीआई ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सीपीआई के राज्य सचिव आर मुथारासन ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर हिंसा भड़कने के बाद म्यांमार के घने जंगलों में फंसे मणिपुर के मोरेह में रहने वाले तमिलों सहित भारतीय परिवारों को बचाने का आग्रह किया है।

पत्र में लिखा गया है कि मई में मणिपुर में हिंसा भड़कने के बाद मोरेह के कई मैतेई परिवार जो म्यांमार भाग गए थे, 100 दिनों से अधिक समय से पड़ोसी देश के घने जंगलों में फंसे हुए हैं। कोई राहत या सहायता नहीं मिलते देख वे अपने जीवन के लिए बेताब हैं। भारतीय क्षेत्र के अंदर कुकी ज़ो जनजातियों से घिरे होने के कारण, जीवन के लिए उनकी भागदौड़ अनजाने में उन्हें सीमाओं के पार म्यांमार में ले गई।

उन्होंने कहा कि 3 मई को हिंसा भड़कने पर मैतेई और तमिल परिवारों सहित 230 भारतीय नागरिक मोरेह से अपनी जान बचाकर भाग गए थे। तमिल परिवार जो 1960 के दशक से वहां रह रहे हैं और अपना व्यवसाय चलाते हैं, वे भी संघर्ष में फंस गए हैं और घने जंगलों में भाग गए हैं। जातीय संघर्ष में उनके घर और दुकानें जला दी गई हैं। वे कथित तौर पर अज्ञात स्थानों पर रह रहे हैं। उनके रहने के संसाधन खत्म हो गए हैं। बच्चे और बूढ़े फंस गए हैं। उन्हें सुरक्षित बचाने की जरूरत है।

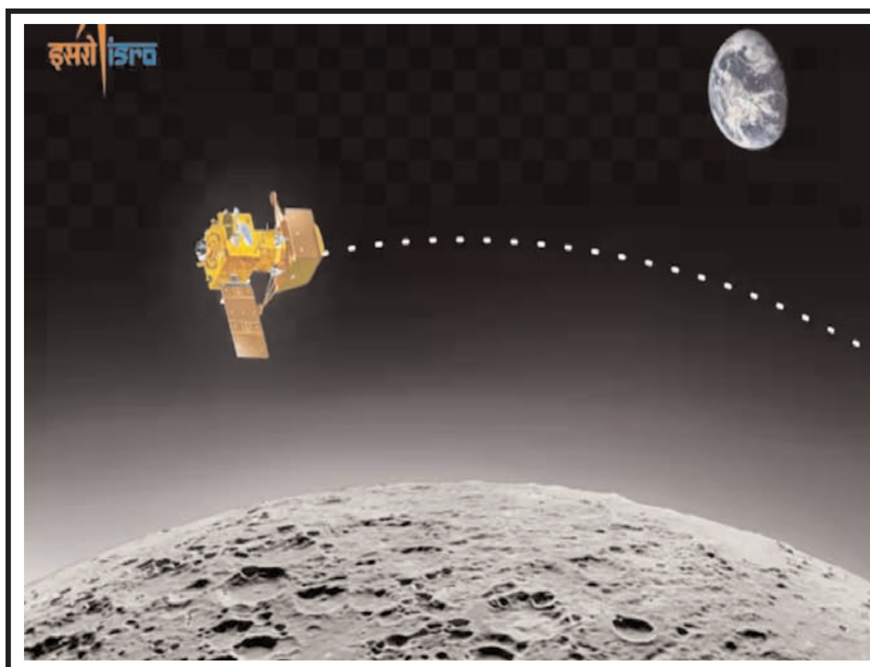

चंद्रयान-3 सोमवार को चांद के और नजदीक पहुंचेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने तीसरे चंद्रमा मिशन चंद्रयान-3 के अंतरिक्ष यान को चंद्रमा के और करीब पहुंचाने के लिए सोमवार यानी 14 अगस्त को महत्वपूर्ण तीसरा ऑर्बिट रिडक्शन मनूवर करेगा।

इसरो ने कहा, ऑर्बिट रिडक्श्न मनूवर 14 अगस्त को भारतीय समयानुसार साढ़े ग्यारह बजे से साढ़े बारह बजे के बीच किया जाएगा।इसरो प्रमुख ने कहा कि 23 अगस्त को शाम 5.47 बजे चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग की योजना है। चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग के बाद भारत, अमेरिका, सोवियत संघ और चीन के बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बन जाएगा। चंद्रयान-3 का रास्ता चंद्रयान-2 की तरह ही होगा। इसमें तीन फेज शामिल हैं: अर्थ ऑर्बिट मनूवर, ट्रांस लूनर इंजेक्शन, और लूनर ऑर्बिट मनूवर।

इसरो ने नौ अगस्त की दोपहर को चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान की कक्षा को और कम करने के लिए दूसरी महत्वपूर्ण मनूवर सफलतापूर्वक की थी और इसे चंद्रमा की सतह के और भी करीब ले गया था। इसरो ने कहा,दूसरे मनूवर के बाद, चंद्रयान -3 की कक्षा को घटाकर 174 गुणा 1437 किलोमीटर कर दिया गया और इसे चंद्रमा के और करीब ले जाया गया।

चंद्रयान-3 को पांच अगस्त को चंद्र कक्षा में प्रवेश करने के बाद, यह छह अप्रैल की देर रात को पहली नियोजित कक्षा कटौती प्रक्रिया से सफलतापूर्वक गुजरा था। इंजनों की रेट्रोफायरिंग ने अंतरिक्ष यान को चंद्रमा की सतह के 170 गुणा 4313 किलोमीटर के करीब ला दिया है।

इसरो ने कहा, जैसे-जैसे मिशन आगे बढ़ रहा है चंद्रयान-3 की कक्षा को धीरे-धीरे कम करने और इसे चंद्र ध्रुवों पर स्थापित करने के लिए कई तरीके काम में लिये जा रहे है। कुछ प्रयासों के बाद, प्रणोदन मॉड्यूल कक्षा में रहते हुए लैंडर से अलग हो जाएगा। इसके बाद, 23 अगस्त को चंद्रमा के अब तक अनछुए दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में 'सॉफ्ट लैंडिंग' की सुविधा के लिए जटिल प्रक्रियों की एक श्रृंखला को अंजाम दिया जाएगा।

अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि चंद्रयान-3 की सेहत सामान्य है। पूरे मिशन के दौरान अंतरिक्ष यान के स्वास्थ्य की लगातार इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) के मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स (एमओएक्स), बयालू के पास भारतीय डीप स्पेस नेटवर्क (आईडीएसएन) एंटीना बेंगलूरु, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) और जेपीएल डीप स्पेस एंटीना के सहयोग से निगरानी की जा रही है।

इसरो ने पांच अगस्त को कहा था कि चंद्रयान-3 मिशन ने लूनर ऑर्बिट इंसर्शन' (एलओआई) के सफल समापन के साथ एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। यह एलओआई भारतीय समयानुसार शाम सात बजकर 12 मिनट से शुरू होकर कुल 1,835 सेकंड के लिए पेरिल्यून में रेट्रो-बर्निंग द्वारा किया गया। इसरो ने चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश करने के बाद कहा, एमओएक्स, आईएसटीआरएसी यह चंद्रयान-3 है, मैं चंद्र गुरुत्वाकर्षण महसूस कर रहा हूं।

ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन ने चेन्नई में मवेशियों के लिए आश्रय बढ़ाने की योजना बनाई

चेन्नई। ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन (जीसीसी) ने शहर में वाहनों की संख्या और मवेशियों के लिए आश्रय बढ़ाने की योजना बनाई है। रविवार को, निगम आयुक्त जे राधाकृष्णन ने शहर में नागरिक मुद्दों का निरीक्षण किया और जल निकाय में देखे गए मवेशियों के बारे में टिप्पणी की और जनता से शहर के विकास में शामिल होने और जिम्मेदार होने का आग्रह किया।

आयुक्त राधाकृष्णन ने बताया कि हम शहर में पकड़े गए मवेशियों को जब्त करने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर आश्रयों की पहचान कर रहे हैं। हालांकि, हम लोगों को यह एहसास कराने के लिए शिक्षित करने पर भी विचार कर रहे हैं कि मवेशियों को पशुपालन की बुनियादी आवश्यकताओं के बिना और अस्वच्छता से पाला जा रहा है और लोग/प्रतिष्ठान ऐसे दूध खरीद रहे हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे में है।

आगे उन्होंने कहा कि वे पशु जनित बीमारियों, तपेदिक से संक्रमित हो सकते हैं। आयुक्त ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि बछड़ा और गाय अलग न हों और गर्भवती गायों की देखभाल सावधानीपूर्वक की जाए। मवेशियों को नियमित रूप से दूध पिलाना चाहिए ताकि उन्हें कोई स्वास्थ्य समस्या न हो। मालिकों को सलाह दी जा रही है कि वे मवेशियों को शेड के भीतर रखें और सड़कों पर न आने दें। शहर में कम से कम 19 पशु चिकित्सालय/डॉक्टर उपलब्ध हैं। नगर निकाय उन मवेशी मालिकों के खिलाफ जुर्माना बढ़ाने की योजना बना रही है जो मवेशियों को सड़कों पर घूमने देते हैं और जनता के लिए असुविधा पैदा करते हैं।

पोषण योजना : अन्नामलाई ने स्टालिन की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने रविवार को लोगों को लुभावने शब्दों से धोखा देने के लिए सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा है कि वह बच्चों के लिए पोषण सुनिश्चित करने के लिए एक योजना लेकर आए हैं।

बच्चों के लिए पोषण सुनिश्चित करने के लिए, पोषण अभियान योजना के तहत प्रदान किए गए धन का उचित उपयोग

किया जाएगा, जिसे प्रधान मंत्री नरेंद्र द्वारा पहले ही लागू किया जा चुका है।

अन्नामलाई ने ट्वीट किया कि पिछले सात सालों में मोदी ही काफी हैं। उन्हें (स्टालिन को) यह एहसास होना चाहिए कि सिर्फ नया नाम देने से बच्चों को पोषण नहीं मिलेगा। आगे भगवा पार्टी नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाई गई पोषण अभियान योजना के माध्यम से, पिछले सात वर्षों में तमिलनाडु को 2,936 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं और हर साल लगभग 50 लाख बच्चे इस योजना से लाभान्वित होते हैं।

आगे उन्होंने कहा कि डीएमके स्कूली छात्रों को सड़े अंडे सहित घटिया भोजन परोसकर फैंसी शब्दों से लोगों को धोखा देना कब बंद करेगी? उन्होंने कहा कि इससे पहले दिन में, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक वीडियो जारी किया और कहा कि तमिलनाडु सरकार की सुनिश्चित पोषण योजना राज्य में एक बड़ी सफलता रही है।

एशियाई खेलों के लिए भारत की तैयारी में एसीटी की खिताबी जीत वास्तव में मायने रखेगी : फुल्टन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि ऐसे समय में जबकि भारत की निगाहें एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए स्वत: क्वालीफाई करने पर टिकी हैं, तब एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) की खिताबी जीत वास्तव में मायने रखेगी।

भारतीय हॉकी टीम ने शनिवार को यहां दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके मलेशिया को 4-3 से हराकर रिकॉर्ड चौथी बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता।

अब जबकि 23 सितंबर से हांगझोउ में एशियाई खेल शुरू हो रहे हैं तब फुल्टन से पूछा गया कि क्या इस तरह के रोमांचक फाइनल से भारतीय टीम को महाद्वीपीय प्रतियोगिता में मदद मिलेगी। फुल्टन ने कहा,फाइनल हमेशा अजीब होते हैं। वह कभी आसान नहीं होते। यह मैच भी शूटआउट तक जा सकता था। इस तरह के रोमांचक मैच का होना महत्वपूर्ण होता है क्योंकि वास्तव में यह मायने रखते हैं।

उन्होंने कहा, 'इसके साथ ही मैं यह भी कहना चाहूंगा कि यह (एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी) एशियाई खेल नहीं हैं, इसलिए हमें अति उत्साहित होने की जरूरत नहीं है। लेकिन अगर आप मुझसे पूछोगे कि एशियाई खेलों में जीत दर्ज करो और इस फाइनल को हार जाओ, तो मैं निश्चित तौर पर एशियाई खेलों की जीत को चुनूंगा।' भारत फाइनल में मध्यांतर तक 1-3 से पीछे चल रहा था लेकिन उसने दूसरे हाफ में शानदार वापसी की। भारत ने सेमीफाइनल में जापान हो 5-0 से करारी शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई थी।

फुल्टन ने कहा, मलेशिया के खिलाफ मैच वास्तव में शानदार रहा। इससे पहले जापान के खिलाफ मैच भी उच्च स्तर का रहा था। मलेशिया ने पहले हाफ में शानदार खेल दिखाया। हम भी बुरा नहीं खेले लेकिन हम शत प्रतिशत प्रतिबद्ध नहीं दिखे जैसा कि हम चाहते थे।

उन्होंने कहा, हमने मध्यांतर के बाद खुद को संगठित किया। हमें केवल वापसी के लिए एक गोल की जरूरत थी। इसके बाद हम किसी भी समय बराबरी का गोल और उसके बाद निर्णायक गोल कर सकते थे। जिस तरह से टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की उससे उसके जज्बे का पता चलता है।

सिद्दरामैया ने सूखा घोषित करने के मानदंडों की समीक्षा के लिए केंद्र को पत्र लिखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर राज्यों में सूखा घोषित करने के मापदंडों की समीक्षा करने और इसमें संशोधन पर विचार करने का आग्रह किया है, ताकि एक अधिक उत्तरदायी प्रारूप स्थापित किया जा सके, जो प्रत्येक राज्य की वास्तविकताओं को स्वीकार करे और विशेष रूप से किसानों को समय पर सहायता प्रदान करे।

कर्नाटक में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान कम बारिश की पृष्ठभूमि में, मुख्यमंत्री ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को राज्य

सरकारों द्वारा सूखा घोषित करने के लिए 'सूखा प्रबंधन नियमावली-2016' में निर्धारित कड़े मापदंडों को लेकर पत्र लिखा है। इन नियमों को 2020 में अपडेट किया गया था। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में मौजूदा मानसून ऋतु में 34 फीसदी कम बारिश हुई है और जून में कमजोर मानसून की वजह से 56 प्रतिशत कम वर्षा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कई तालुकाओं में सूखे जैसे हालात होने के बावजदू मौजूदा मापदंडों की वजह से राज्य सरकार सूखा घोषित नहीं कर सकी, जिससे किसानों को राहत नहीं पहुंचाई जा सकी। सिद्दरामैया ने कहा, यह समझ में आता है कि सूखे की घोषणा के मानदंड सटीक आकलन और संसाधनों के उचित आवंटन को सुनिश्चित करने के लिए स्थापित किए गए हैं, लेकिन प्रत्येक राज्य और उसके भीतर के क्षेत्रों की अनूठी चुनौतियों और आवश्यकताओं को पहचानना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न अनियमित मौसम की स्थिति और किसानों तथा कृषि क्षेत्र पर इसके प्रतिकूल प्रभाव के कारण उत्पन्न होने वाली गंभीर स्थिति पर सटीक प्रतिक्रिया देने के लिए सूखे की घोषणा के वास्ते मौजूदा मापदंडों की पुन: समीक्षा भी अहम है।

संतों ने कर्नाटक सरकार से गोवध एवं धर्मांतरण रोधी कानूनों को बरकरार रखने की अपील की

बेंगलूरु। विभिन्न मठों के संतों ने कर्नाटक सरकार से गोवध एवं धर्मांतरण रोधी कानूनों को बरकरार रखने की अपील की है। यहां विभिन्न मठों के महंतों ने इस संबंध में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किए। संतों ने सरकार से यह सुनिश्चित करने की भी अपील की कि वह इन दोनों कानूनों को उसी रूप में लागू करे जिस रूप में वे हैं, न कि उन्हें शिथिल करे।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने यहां जारी एक बयान में कहा कि यहां मल्लेश्वरम के यदुगिरि यतिराजा मठ में उसके द्वारा आयोजित 'संत सम्मेलन' में विभिन्न मठों के महंतों ने भाग लिया और 'राज्य में धर्म' के सिलसिले में नवीनतम घटनाक्रम पर चर्चा की। विहिप ने बताया कि सम्मेलन में गोवध, धर्मांतरण, लव जिहाद, हिंदू अविभाजित परिवार, पर्यावरण, दूसरों के साथ सद्भाव जैसे विषयों पर चर्चा की गई तथा सर्वसम्मति से दो प्रस्ताव पारित किए गए।

प्रस्तावों पर हस्ताक्षर करने वालों में यदुगिरि यतिराजा मठ के यदुगिरि यतिराजा नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी, रामकृष्ण मिशन के चंद्रेशानंदजी, महालिंगेश्वर मठ के रविशंकर शिवाचार्य स्वामीजी समेत विभिन्न मठों के 14 महंत शामिल हैं।

टीटीडी ने जंगली जानवरों के हमले के मद्देनजर लिया अहम फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुमाला। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने जंगली जानवरों के हमलों विशेषकर बच्चों को निशाना बनाने के मामलों के मद्देनजर दो महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं, जो रविवार से ही लागू हो गए हैं।

तेंदुओं की आवाजाही पांच स्थानों पर देखी गई है, जिनमें अलीपिरी से गैलीगोपुरम के पास तीन स्थान, श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी (एलएनएस) मंदिर और कल रात 38वें टर्निंग पर शामिल हैं। इस संबंध में टीटीडी ने 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों वाले तीर्थयात्रियों को तड़के पांच बजे से अपराह्न दो बजे बजे तक केवल दोनों फुटपाथ मार्गों पर ट्रेक करने की अनुमति देने का निर्णय लिया है और यह परिवर्तन रविवार से ही लागू हो गया है।

एक अन्य अहम फैसले में दोपहिया वाहनों की आवाजाही भी शाम छह बजे से सुबह छह बजे तक रोक दी गई है। शुक्रवार शाम को तिरुमाला जाने वाले अलीपिरी पैदल मार्ग पर तेंदुए के हमले में एक छह साल की बच्ची की मौत हो गई। हाल के दिनों में पैदल मार्ग पर जंगली जानवरों के हमले की यह पहली घातक घटना है। टीटीडी के अध्यक्ष बी करुणाकर रेड्डी फुटपाथ मार्गों और घाट सड़कों दोनों में तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर उठाए जाने वाले उपायों पर चर्चा करने के लिए सोमवार शाम को तिरुपति में टीटीडी ईओ, जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक (एसपी) के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक करेंगे। टीटीडी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे जंगली जानवरों की समस्या का समाधान होने तक तीर्थयात्रियों के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए टीटीडी द्वारा उठाए गए दिशानिर्देशों का पालन करने में अपना सहयोग दें।

तमिलनाडु में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए कड़ी सुरक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में 76वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को ध्यान में रखते हुए राज्य में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा के लिए चेन्नई शहर में 9,000 पुलिसकर्मियों का लगाया गया है जबकि पूरे राज्य में लगभग एक लाख पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

सभी हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और यात्रियों को तलाशी, सामान की जांच और मेटल डिटेक्टर परीक्षणों से गुजरना पड़ रहा है।

हवाई अड्डे पर आगंतुकों के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है, पूरे परिसर में सशस्त्र सीआईएसएफ कर्मियों के साथ सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

चेन्नई के पुलिस आयुक्त संदीप राय राठौर के आदेश पर स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर चेन्नई में 9,000 पुलिस अधिकारियों और जवानों को तैनात किया गया है।

मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन फोर्ट सेंट जॉर्ज की प्राचीर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और अपना संबोधन करने वाले हैं, इसलिए राज्य सचिवालय और उसके आसपास के क्षेत्रों में पांच स्तरीय सुरक्षा की व्यवस्था की गई है।

एहतियात के तौर पर, बड़ी संख्या में लोगों के एकत्रित होने वाले स्थानों की गहन जांच की जा रही है और सुरक्षा कड़ी कर दी गई है जिसमें चेन्नई हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन, बस टर्मिनस, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, तटीय क्षेत्रों, धार्मिक स्थल शामिल हैं। इस बीच, चेन्नई शहर में रविवार से 15 दिनों के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है, जिसमें सार्वजनिक बैठकों और सार्वजनिक स्थलों पर सभाओं पर प्रतिबंध लगाया गया है। आयुक्त राठौड़ ने चेन्नई शहर पुलिस अधिनियम, 1888 की धारा 41 के अंतर्गत रविवार से 28 अगस्त तक 15 दिनों का यह प्रतिबंध जारी किया है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने जयपुर में विधायकों के लिए 160 नवनिर्मित फ्लैट का लोकार्पण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को जयपुर में विधानसभा के पास विधायक आवास परियोजना का लोकार्पण किया। इस परियोजना में 444 करोड़ रुपए की लागत से कुल 160 फ्लैट बनाए गए हैं। गहलोत ने इस अवसर पर कहा कि 'विजन 2030' के तहत राज्य को विकसित श्रेणी के राज्यों में लाना सरकार का लक्ष्य है। अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना के तहत छह बहुमंजिला टावर में 3,200 स्क्वायर फुट वाले कुल 160 फ्लैट में विधायकों की सुरक्षा का विशेष रूप से ध्यान रखा गया है। पूरे परिसर के 'कॉमन एरिया' (पार्किंग, ड्राइव-वे, बेसमेंट, लिफ्ट) में 80 से ज्यादा अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। परिसर में 'डबल बेसमेंट' में स्मार्ट पार्किंग की भी सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है, जिसमें दोनों बेसमेंट को मिलाकर 921 चौपाहिया वाहन खड़े किए जा सकेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्थान आवासन मण्डल की चार वर्षों की उपलब्धियों की पुस्तिका का विमोचन भी किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से जनप्रतिनिधियों एवं उनके परिवारों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिल सकेंगी। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार ने विधायक आवास परियोजना की पहल की तथा इसे रिकॉर्ड समय में तैयार किया गया।

आत्महत्या के मामलों पर लगाम लगाने के लिए छात्रों का मनोवैज्ञानिक परीक्षण कराएगा प्रशासन

कोटा/दक्षिण भारत। राजस्थान के कोटा में कोचिंग छात्रों की आत्महत्या के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने के लिए जिला प्रशासन हर पखवाड़े छात्रों का मनोवैज्ञानिक परीक्षण कराएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि परीक्षण से छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति का पता लगाने में मदद मिलेगी। इससे उन्हें समय पर परामर्श प्रदान किया जा सकेगा। कोचिंग संस्थानों और छात्रावासों के लिए दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन की समीक्षा को लेकर शनिवार को कोचिंग संस्थानों, छात्रावासों और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधियों के साथ जिला स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। कोटा के जिलाधिकारी ओ.पी. बुनकर ने समीक्षा बैठक के बाद मीडिया को बताया, हम हर कोचिंग छात्र का हर पखवाड़े मनोवैज्ञानिक परीक्षण कराने जा रहे हैं, चाहे वह कोचिंग संस्थान, हॉस्टल या पीजी में रहता हो। इस साल जनवरी से अब तक कोटा में कोचिंग छात्रों के आत्महत्या करने के 19 मामले सामने आए हैं। इनमें से इस महीने के पहले 10 दिन में तीन मामले सामने आए।

राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा, शिक्षा, पेयजल, सड़क निर्माण जैसे सभी क्षेत्रों में करवाए गए बेहतरीन विकास कार्य : जाट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने रविवार को भीलवाड़ा जिले के मांडल क्षेत्र की ग्राम पंचायत रामपुरिया में जनसंपर्क एवं जनसुनवाई की।

जाट ने इस दौरान मौजूद राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की आमजन को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा, शिक्षा, पेयजल, सड़क निर्माण जैसे क्षेत्रों में बेहतरीन विकास कार्य करवाए गए है। जाट ने कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक गांव, ढाणी, कस्बे में अंतिम छोर तक बैठे हुए व्यक्ति को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को समान अवसर व संसाधन उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता हैं।

इस अवसर पर उन्होंने 'राजस्थान युवा महोत्सव के आयोजन की महत्ता को बताते हुए कहा कि प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा को निखारने, उन्हें आगे बढ़ने के लिए मंच प्रदान करने एवं राज्य की लुप्त हो रही लोक कलाओं तथा संस्कृति के संवर्धन के लिए 'राजस्थान युवा महोत्सव' का आयोजन किया का जा रहा है। इन आयोजनों का उद्देश्य प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को संवारना है।

उन्होंने बताया कि प्रदेशवासियों को राहत दिलाने के लिए 10 जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को जोड़ने और तुरंत लाभ पहुंचाने के लिए कैंप भी आयोजित किए गए। साथ ही सभी जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आमजन मौजूद रहें।

सामान्य वर्षा के बाद भी पांच जिलों में बरसात की कमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मानसून का दौर फीका पड़ जाने से इस बार अब तक औसत सामान्य वर्षा होने के बाद भी पांच जिलों जैसलमेर, झालावाड़, बारां, डूंगरपुर एवं बांसवाड़ा में बरसात की कमी बनी हुई हैं तथा पांच दिनों में अच्छी बरसात की संभावना नहीं जताई गई है और मौसम शुष्क रहने की संभावना है। जल संसाधन विभाग के अनुसार राज्य में गत एक जून से 13 अगस्त तक सामान्य वर्षा 357.07 मिलीमीटर के मुकाबले 411.55 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है जो सामान्य से 15.3 प्रतिशत अधिक है। (सामान्य वर्षा से 19 प्रतिशत अधिक एवं कम बरसात को सामान्य बरसात की श्रेणी में ही माना जाता है।)

राज्य में इस दौरान सर्वाधिक वर्षा की कमी सीमांत जैसलमेर जिले में दर्ज की गई जहां अब तक केवल 61.50 मिलीमीटर बरसात हुई जो सामान्य से 45.9 प्रतिशत कम है। इसी तरह बारां जिले में अब तक 354.81 मिलीमीटर बरसात हुई जो सामान्य से 35.7 प्रतिशत, डूंगरपुर में 337.09 मिलीमीटर बारिश हुई जो सामान्य से 25.4 प्रतिशत, झालावाड़ में 435.08 मिलीमीटर वर्षा हुई जो सामान्य से 22.2 , बांसवाड़ा जिले में 443.36 मिलीमीटर बरसात हुई जो सामान्य से 20.8 प्रतिशत कम हैं।

हालांकि मानसून के पहले एवं इसके आने के बाद राज्य में अच्छी बरसात के कारण अब तक प्रदेश के छह जिलों बाड़मेर, जालोर, जोधपुर, पाली, राजसमंद एवं सिरोही में असामान्य बरसात हो चुकी है। इस बार संभागों में केवल जोधपुर संभाग ही ऐसा है जहां केवल असामान्य बरसात दर्ज की गई हालांकि संभाग का जैसलमेर जिला ऐसा है जहां अभी बरसात की कमी बनी हुई हैं। संभाग का जालोर जिला ऐसा है जहां राज्य में अब तक सर्वाधिक बरसात हुई जहां अब तक 692.60 मिलीमीटर बरसात हो चुकी है जो सामान्य वर्षा की तुलना में 146.5 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह बाड़मेर जिले में अब तक 442.05 मिलीमीटर वर्षा हुई जो सामान्य से 143.8 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा संभाग के पाली जिले में 629.20 मिलीमीटर बारिश हुई जो सामान्य से 93.2 प्रतिशत, सिरोही में 1059.80 मिलीमीटर बरसात हुई जो सामान्य से 81.2 प्रतिशत एवं जोधपुर जिले में 315.03 मिलीमीटर बरसात हुई जो सामान्य से 61.7 प्रतिशत ज्यादा है। जोधपुर संभाग में अब तक सामान्य वर्षा 280.20 मिलीमीटर के मुकाबले 533.36 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है जो सामान्य से 90.4 प्रतिशत अधिक है।

इस दौरान सामान्य से अधिक बरसात आठ जिलों अजमेर, बीकानेर, गंगानगर, जयपुर, झुंझुनूं, नागौर, सीकर एवं टोंक जबकि सामान्य बारिश 14 जिलों अलवर भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चुरु, दौसा , धौलपुर, हनुमानगढ़, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, सवाईमाधोपुर एवं उदयपुर में हुई। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष इस दौरान 442.85 बरसात हो हुई थी जो सामान्य से 24.02 प्रतिशत ज्यादा थी और ऐसा एक भी जिला नहीं था जहां बरसात की कमी हो।

इस बार राज्य के छोटे-बड़े 690 बांधों में अब तक 156 बांध लबालब हो गए तथा 359 बांध आंशिक रुप से भर गए जबकि 175 बांध अभी भी खाली है। अब तक बांधों में पानी का भराव 8519.60 एमक्यूएम पहुंच गया जो भराव क्षमता 67.72 प्रतिशत है। गत वर्ष इस दौरान बांधों का भराव 64.11 प्रतिशत तक पहुंचा था। गत 15 जून को इन बांधों में भराव क्षमता का 42.80 प्रतिशत पानी था जो मानसून की वर्षा के बाद इसमें करीब 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

स्वागत

रविवार को बीकानेर के नोखा पहुंचने पर केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का स्वागत करते स्थानीय लोग एवं भाजपा कार्यकर्ता।

संबोधन

भीलवाड़ा जिले के शंभुगढ़ में रविवार को भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं राजसमंद सांसद श्रीमती दिया कुमारी आसींद विधानसभा क्षेत्र की बूथ विजय संकल्प बैठक को संबोधित करती हुई।

वैन और बस की भिड़ंत, सात लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के नवगठित डीडवाना-कुचामन जिले में शनिवार को सड़क हादसे में एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक धरमचंद बिश्नोई ने बताया कि यह घटना जिले के खुनखुना पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले बंथड़ी गांव के पास हुई, जहां एक वैन और एक निजी बस की आमने-सामने टक्कर हो गई।

उन्होंने बताया कि हादसे में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बिश्नोई ने बताया कि दो घायल यात्रियों को जिले के बांगड़ अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें जयपुर रेफर कर दिया गया। वैन में सवार लोग एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए सीकर से नागौर जा रहे थे।

गहलोत ने दी नौ जिलों में दस अल्पसंख्यक छात्रावास संचालन प्रस्ताव को मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नौ जिलों में दस अल्पसंख्यक छात्रावासों के संचालन और नवीन पदों के सृजन तथा बीकानेर एवं अजमेर जिले में बायोलॉजिकल पार्क की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के बीकानेर, बूंदी, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, नागौर, सवाईमाधोपुर, सीकर एवं उदयपुर जिले में अल्पसंख्यक छात्रावास संचालित किये जायेंगे। इसकी स्वीकृति से उदयपुर में 100 और अन्य सभी जिलों के छात्रावासों की क्षमता 50-50 सीट की रखी गई है।

जैसलमेर में बालक एवं बालिका छात्रावास (कुल दो) एवं बीकानेर के खाजूवाला, बूंदी, सीकर में बालक छात्रावास तथा जालोर, झुंझुनूं, नागौर, सवाई माधोपुर और उदयपुर में बालिका छात्रावास संचालित होंगे।

साथ ही, जैसलमेर, झुंझुनूं और जालोर बालिका छात्रावासों में महिला छात्रावास अधीक्षक ग्रेड-द्वितीय और जैसलमेर के बालक छात्रावास में पुरूष छात्रावास अधीक्षक ग्रेड-द्वितीय के एक-एक पदों का भी सृजन किया गया है। राज्य के बीकानेर एवं अजमेर जिले में बायोलॉजिकल पार्क की स्थापना की जाएगी। साथ ही जयपुर जंतुआलय को पक्षी विहार तथा बीकानेर जंतुआलय को पक्षी विहार एवं रेस्क्यू सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा।

गहलोत ने इन कार्यों के लिए 20 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। इस स्वीकृति से वन्यजीवों के संरक्षण एवं संवर्द्धन को बढ़ावा मिल सकेगा। रेस्क्यू सेंटर से घायल पशु-पक्षियों का त्वरित उपचार किया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने बजट वर्ष 2023-24 में इस संबंध में घोषणा की थी।

जिले के मांडानी गांव में निकली बंदर की शव यात्रा

सिरोही। राजस्थान के सिरोही के मांडानी गांव में करंट लगने से एक बंदर की मौत हो गई। जिसके बाद ग्रामीणों ने एक अनोखे अंदाज में पौराणिक परंपरा के अनुसार बंदर की शवयात्रा निकाली। उसके बाद हिंदू रीति-रिवाज से बंदर का नदी किनारे अंतिम संस्कार किया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक गांव में ही करंट लगने से एक बंदर की मौत हो गई थी। इसकी सूचना मिलने के गांव के लोगों ने घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ बंदर की पूरे गांव में शवयात्रा निकाली। और उसके बाद नदी के किनारे अंतिम संस्कार किया गया। बता दें, कि स्थानीय निवासी बंदर और लंगूरों को भगवान हनुमान का प्रतिरूप मानकर पूजा करते हैं। भगवान राम के समय से ही वानरों को पूजा जाता है। इसलिए ग्रामीण पौराणिक परंपरा का आज तक निर्वहन करते आ रहे हैं। गांव के हर इलाके में बंदरों का वास है। परेशान के करने के बावजूद यहां के लोग बंदरों को बर्दाश्त करते हैं।

धौलपुर और सरमथुरा के बीच बिछाई गई रेललाइन अब हो गई अतीत का हिस्सा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर संभाग में करीब सवा सौ साल पहले धौलपुर और सरमथुरा के बीच नैरोगेज के रुप मे बिछाई गई रेललाइन अब अतीत का हिस्सा बन जाएगी। बहुप्रतीक्षित धौलपुर-सरमथुरा-करौली-गंगापुर रेल परियोजना के तहत नेरोगेज रेलवे ट्रेक को उखाड़ने का काम शुरू कर दिया गया है। गौरतलब है कि उत्तर मध्य रेलवे के धौलपुर से बाडी होते हुए बसेडी तथा सरमथुरा तक संचालित होती रही रियासतकालीन नैरोगेज ट्रेन को इसी वर्ष 31 मार्च को उसके आखिरी सफर के बाद 1अप्रेल से बंद किया जा चुका है। पहले स्टीम तथा वर्तमान में डीजल लोकोमोटिव के साथ संचालित करीब सवा सौ साल पुरानी इस ट्रेन का संचालन रियासतकाल में धौलपुर के लाल पत्थर के परिवहन के लिए शुरू हुआ था।

नई रेल परियोजना के पूरा होने के बाद धौलपुर समेत समीपवर्ती उत्तर प्रदेश एवं मध्यप्रदेश के श्रद्धालु ट्रेन से कैलादेवी धाम का सफर तय कर सकेंगे। रेल सूत्रों का अनुमान है कि इस नई रेल परियोजना के अक्टूबर 2024 तक पूरा होने के साथ ही रेललाइन शुरू हो सकती है। धौलपुर और करौली जिलों को रेल से जोडने वाली करीब 144.60 किलोमीटर लंबाई वाली इस रेल परियोजना पर करीब 2030.50 करोड रुपए की राशि खर्च होने का अनुमान है।

परियोजना के पहले चरण में धौलपुर और सरमथुरा के बीच में नैरोगेज का ब्राडगेज में आमान परिवर्तन कर बडी रेललाइन बिछाई जाएगी। जबकि दूसरे चरण में सरमथुरा से करौली होते हुए पश्चिम रेलवे के गंगापुर तक नई बडी रेल लाईन बिछाई जानी है। बताया गया है कि करीब चौदह साल पहले धौलपुर जिले के सरमथुरा कस्बे में तत्कालीन रेल राज्य मंत्री जय सूर्यप्रकाश रेड्डी एवं उस समय राजस्थान में कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री के रूप मे अशोक गहलोत ने धौलपुर-सरमथुरा-करौली-गंगापुर रेल परियोजना का शिलान्यास किया था।

जयपुर में रविवार को अपने आवास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा।

इस साल नहीं होंगे छात्र संघ चुनाव

जयपुर। राजस्थान में सत्र 2023-24 में कालेजों एवं विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव नहीं करवाए जाएंगे। शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार शिक्षा की गुणवत्ता के दृष्टिगत कुलपतिगणों ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव नहीं करवाए जाने चाहिए। शनिवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने छात्र संघ चुनाव नहीं कराने के संकेत दिए थे। इसके बाद देर रात शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर उच्च शिक्षा मंत्री राजेंद्र यादव ही फैसला करेंगे, हालांकि उन्होंने ये जरूर कहा कि जब चुनाव बंद हो गए थे, तब उन्होंने ही चुनाव शुरू करवाए थे। उनसे बड़ा कमिटमेंट चुनाव को लेकर किसी और का नहीं हो सकता। आज जिस तरह से छात्र पैसे खर्च कर रहे हैं, जैसे एमएलए - एमपी के चुनाव लड़ रहे हों।

गहलोत जैसा फकीर पूरी दुनिया में नहीं होगा : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खुद को फकीर कहने पर केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने तंज कसा कि गहलोत जी जैसा फकीर पूरी दुनिया में नहीं होगा। कांग्रेस ने राजस्थान में भ्रष्टाचार की दुकान खोलकर इसलिए ही काउंटर उन्हें सौंपा है।

तो बहनों-भाइयों जान लीजिए, कांग्रेस में सब गहलोत जी के पैसों से चुनाव लड़ते हैं। अब पैसा कहां से आता है, बताने की जरूरत है क्या। अपनी चीजें भुलाकर दूसरों पर दोषरोपण करना मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की फितरत है।

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अपनी को भुलाकर दूसरों पर दोषारोपण करना उनकी फितरत है। वह यह भूल जाते हैं कि अगर कोई एक अंगुली किसी दूसरे की तरफ उठाता है तो तीन अंगुलियां अपनी तरफ उठती हैं। दरअसल, शनिवार को भाजपा कार्यालय में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए शेखावत ने कहा कि जो राज्य बलात्कार में नंबर वन हो, भ्रष्टाचार में नंबर वन हो, बेरोजगारी में नंबर वन हो, उसे किसी पर दोषारोपण करने का कोई अधिकार नहीं है। शेखावत ने कहा कि राजस्थान की जनता इनकी राजनीतिक चालबाजियों को जानती है। अबकी बार हिसाब बराबर भी करने वाली है।

राजस्थान में पीएम नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि जिस पार्टी के पास दुनिया का सबसे लोकप्रिय चेहरा हो, उससे कांग्रेस में डर जायज है। जिस पार्टी के पास नरेंद्र मोदी जी जैसा नेता हो और जिस पार्टी के पास राहुल गांधी जैसा नेता हो, उसकी तुलना पूरा देश कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरोकारों की पार्टी रही है और पार्टी का हर कार्यकर्ता एक विचार को लेकर कार्य कर रहा है। जब से पार्टी बनी है, इसी सरोकार के तहत पार्टी काम कर रही है। यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी में आज तक विभाजन नहीं हुआ।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के मणिपुर हिंसा पर सवाल उठाने पर शेखावत ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह जी ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए जो जवाब दिया था कि अगर अशोक गहलोत उसे नहीं देख पाए थे तो उन्हें एक बार अवश्य देखना चाहिए। गृह मंत्री ने मणिपुर में आजादी के बाद से अब तक हुई घटनाओं के बारे में विस्तार से बताया था। गृह मंत्री खुद वहां गए थे। शेखावत ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय दंगे होते रहे, लेकिन गृह मंत्री तो छोड़ दीजिए, गृह राज्यमंत्री तक वहां नहीं गए।

विदेश में फंसे उप्र के लोगों को लाएंगे वापस : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि विदेश में फंसे उत्तर प्रदेश के लोगों को वापस लाया जाएगा। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को दूतावासों से संपर्क करने के निर्देश दिये हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में देवरिया व कुशीनगर की कुछ महिलाओं ने अपने परिजनों के थाईलैंड, ओमान आदि देशों में फंसे होने की जानकारी देकर उनकी वतन वापसी की गुहार लगाई। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने उन्हें मदद का आश्वासन दिया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि दूतावास से संपर्क कर जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बंगाल के नेताओं के साथ कई बैठक की

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रविवार को कोलकाता में राज्य के पार्टी नेताओं के साथ कई बैठकें कीं और उनसे 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बूथ स्तर के संगठन को मजबूत करने के लिये कहा। नड्डा ने भाजपा के राज्य नेतृत्व से लोगों तक अधिक से अधिक पहुंचने के लिये भी कहा। बैठक में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, विधायक और सांसद शामिल हुए। भाजपा के एक नेता ने कहा, नड्डा जी ने पार्टी की संगठनात्मक ताकत का जायजा लिया। उन्होंने पार्टी के पंचायत चुनाव प्रदर्शन की रिपोर्ट देखी और उन जगहों पर वोट शेयर में गिरावट के बारे में पूछताछ की, जहां हमने लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने पार्टी नेताओं से केंद्र द्वारा किए गए विकास कार्यों को लोगों तक पहुंचाने और तृणमूल कांग्रेस सरकार के कुशासन को उजागर करने के लिए भी कहा।

भाजपा अध्यक्ष ने शनिवार रात को एक बैठक की, रविवार सुबह दूसरी बैठक और दोपहर में नेशनल लाइब्रेरी में एक अन्य बैठक की। उन्होंने बताया कि इससे पहले भाजपा अध्यक्ष सुबह अपनी पत्नी मल्लिका नड्डा के साथ कोलकाता के बाहरी इलाके में स्थित दक्षिणेश्वर काली मंदिर भी गये। लोकसभा चुनाव से पहले संगठन का जायजा लेने के लिए नड्डा तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को यहां पहुंचे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2024 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल से 35 लोकसभा सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की 42 में से 18 सीट पर जीत हासिल की थी।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के पूर्व निजी सचिव सहित सात के खिलाफ तीन करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के पूर्व निजी सचिव प्रकाश चंद उपाध्याय और छह अन्य व्यक्तियों के खिलाफ करीब तीन करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यहां बताया कि पंजाब के पटियाला के रहने वाले संजीव कुमार ने यहां दर्ज कराई गयी शिकायत में आरोप लगाया है कि उपाध्याय और उनके छह साथियों ने उत्तराखंड में सरकारी निविदा दिलाने के नाम पर उनसे कई बार में करीब तीन करोड़ रुपये लिए। शिकायत में संजीव ने कहा कि उनकी और उपाध्याय की मुलाकात पिछले साल अप्रैल में हुई थी और उसके बाद दोनों में दोस्ती हो गई।

पुलिस ने बताया कि संजीव ने अपने आरोप में कहा कि उपाध्याय ने उसे सरकारी निविदा दिलाने का वादा किया और इसके लिए उनसे तथा उनके कुछ साथियों से कुछ अंतराल पर करीब तीन करोड़ रुपये ले लिए। शिकायत में कहा गया कि निविदाएं नहीं मिलने पर जब उपाध्याय से पैसे वापस मांगे गए तो उसने 30 लाख रुपये का एक चेक दिया जो बाउंस हो गया। इस मामले में उपाध्याय के अलावा, सौरभ शर्मा, सौरभ की पत्नी नंदिनी, महेश महारिया, रौनक महारिया, शाहरूख खान और अमित लांबा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा सांसद को जान से मारने की धमकी

भदोही (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के भदोही से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रमेश बिंद को भदोही आने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है।

पुलिस अधीक्षक मीनाक्षी कात्यायन ने रविवार को बताया कि सांसद रमेश बिंद ने जिले के गोपीगंज थाने में शनिवार को एक तहरीर दी है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उनके मोबाइल पर भदोही आने पर जान से मारने की धमकी दी है।

पुलिस अधीक्षक मीनाक्षी कात्यायन ने बताया कि तहरीर के मुताबिक सांसद के मोबाइल फोन पर एक मैसेज कर उन्हें भदोही आने पर मार देने की धमकी वाला मैसेज 11 अगस्त की शाम सात बजकर 49 मिनट पर 11 बार भेजा गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

इससे पहले, सांसद रमेश बिंद से दिल्ली में 10 लाख रुपये रंगदारी मांगी गई थी। इस मामले में मिथिलेश नामक युवक पकड़ा गया था।

राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ के परिसर में इमारतों पर चला बुलडोजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/लखनऊ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिला एवं रेलवे प्रशासन ने राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ के परिसर में इमारतों पर शनिवार को बुलडोजर चला दिया। यह इमारत रेलवे भूमि का अतिक्रमण उस पर बनायी गयी थी। संघ के संयोजक राम धीरज ने बताया कि वर्ष 1961 में स्थापित सर्व सेवा संघ परिसर महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे और लोकनायक जयप्रकाश (जेपी) नारायण की विरासत है, जेपी आपातकाल के दिनों में वहां ठहरे थे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार संघ और रेलवे के बीच जमीन को लेकर विवाद था। वाराणसी के जिलाधिकारी एस राजलिंगम की अदालत ने इस साल की शुरुआत में एक आदेश में जमीन उत्तर रेलवे को दे दी थी। संघ इस आदेश के ख़िलाफ़ अदालत गया लेकिन उसे राहत नहीं मिली। उन्होंने बताया कि इसी साल 27 जून को परिसर के निवासियों को क्षेत्र खाली करने का आदेश दिया गया था। बाद में 22 जुलाई को एक संग्रहालय, एक गेस्ट हाउस और एक प्रकाशन कार्यालय खाली कर दिया गया था।

इसके बाद शनिवार को रेलवे, जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों की मौजूदगी में परिसर में कुछ इमारतों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि वाराणसी में सर्व सेवा संघ भवन की इमारतों पर बुलडोजर चलाना भाजपा की हार है। सपा प्रमुख ने रविवार को तंज करते हुए कहा, महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे और जयप्रकाश जी की वैचारिक विरासत के प्रतीक वाराणसी के 'सर्व सेवा संघ' के भवन पर भाजपा सरकार बुलडोज़र चलवाकर जिसे अपनी जीत समझ रही है दरअसल वो उसकी हार है क्योंकि जिनके विचार देश की हवा में बुनियादी रूप से घुले-मिले हैं उनकी नींव कोई क्या हिलाएगा। शनिवार को राजघाट पर सर्व सेवा संघ के 13 एकड़ में बने 20 से ज्यादा मकानों पर बुलडोजर चला दिया गया था।

मणिपुर में लगातार हिंसा परेशान करने वाली, तुरंत रोकने की जरूरत: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड (केरल)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में जारी हिंसा परेशान करने वाली है और इसे तुरंत रोकने की जरूरत है। वायनाड से सांसद गांधी ने कहा कि मणिपुर में हिंसा विभाजन, नफरत और गुस्से की एक विशेष प्रकार की राजनीति का सीधा परिणाम है। कांग्रेस नेता ने कहा, इसलिए, एक परिवार के रूप में सभी को एक साथ रखना महत्वपूर्ण है।

केरल की दो दिवसीय यात्रा पर आए गांधी रविवार की रात दिल्ली लौटेंगे। यहां कोडेनचेरी में सेंट जोसेफ हाई स्कूल ऑडिटोरियम में सामुदायिक दिव्यांगता प्रबंधन केंद्र (सीडीएमसी) की आधारशिला रखने के बाद गांधी ने कहा कि हिंसा के परिणामस्वरूप हुए घावों को ठीक होने में कई साल लगेंगे। उन्होंने कहा, दुख और गुस्सा इतनी आसानी से दूर नहीं होगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि मणिपुर में हिंसा उनके लिए एक सबक है कि जब आप किसी राज्य में विभाजन, नफरत और गुस्से की राजनीति करते हैं, तो क्या होता है। वायनाड के सांसद के रूप में अपनी सदस्यता बहाल होने के बाद गांधी पहली बार केरल के दौरे पर आए।

'भाजपा आदिवासियों को 'वनवासी' कहकर उन्हें जंगलों तक सीमित करना चाहती है'

वायनाड (केरल)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जनजातीय समुदायों को जंगलों तक सीमित करने की कोशिश करने और 'आदिवासी' की जगह 'वनवासी' कहकर उन्हें भूखंडों के मूल स्वामित्व के दर्जे से वंचित करने का रविवार को आरोप लगाया। वायनाड के सांसद गांधी ने कुछ दिन पहले राजस्थान में पार्टी की एक रैली को संबोधित करते हुए भी यही मामला उठाया था। उन्होंने राजस्थान में कहा था कि भाजपा जनजातीय समुदायों को आदिवासी की जगह 'वनवासी' कहकर उनका 'अपमान' करती है और उनकी वन भूमि छीनकर उद्योगपतियों को देती है। गांधी ने रविवार को वायनाड जिले में मानंतवाड़ी क्षेत्र के नल्लूरनाड स्थित 'डॉ. अंबेडकर जिला मेमोरियल कैंसर सेंटर' में 'एचटी (हाई टेंशन) कनेक्शन' का उद्घाटन करने के बाद आरोप लगाया कि आदिवासियों को वनवासी कहने के पीछे एक 'विकृत तर्क' दिया जाता है। उन्होंने कहा, यह आपको (आदिवासियों को) जमीन के मूल मालिक के अधिकार से वंचित करता है और इसका मकसद आपको जंगल तक ही सीमित रखना है।

गांधी ने कहा, इसका मतलब यह है कि आप जंगल से संबंध रखते हैं और आपको जंगल नहीं छोड़ना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह विचारधारा उनके दल को स्वीकार नहीं है, क्योंकि वनवासी शब्द जनजातीय समुदायों के इतिहास एवं परंपराओं को 'तोड़-मरोड़कर पेश' करता है और यह देश के साथ उनके रिश्ते पर एक 'हमला' है।

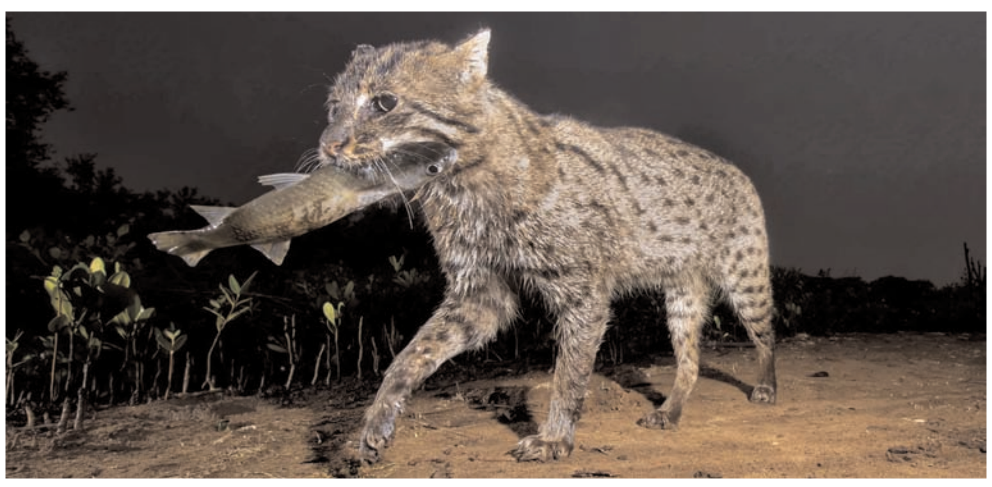

पश्चिम बंगाल में 'फिशिंग कैट' को बचाने के लिए 'संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम' शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के एक चिड़ियाघर में 'फिशिंग कैट' (मछली पकड़ने वाली बिल्ली) की प्रजाति के अस्तित्व को बचाने के लिए एक संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम शुरू किया गया है।

राज्य के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक ने यह जानकारी दी। वन मंत्री ने कहा कि यह कवायद राज्य के अन्य स्थानों पर भी की जाएगी तथा यदि यह कार्यक्रम सफल हो जाता है तो कई बिलौटों को 2024 तक उनके प्राकृतिक पर्यावास में छोड़ दिया जाएगा। फिशिंग कैट, पश्चिम बंगाल का राजकीय पशु है। मल्लिक ने कहा कि यह कार्यक्रम हावड़ा जिले के गारचुमुक प्राणी उद्यान में शुरू हुआ और यह राज्य के दक्षिणी हिस्से में बांकुरा और झाड़ग्राम जैसे जिलों तथा उत्तर में कुछ स्थानों पर भी किया जाएगा।

इस संबंध में एक अन्य अधिकारी ने बताया कि 'संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम' बड़ी संख्या में पर्यावास के नुकसान, इसके विखंडन, औद्योगिकीकरण, अवैध शिकार, अवैध व्यापार और जलवायु परिवर्तन जैसे दबावों के कारण जंगल में संबंधित जानवर की मौजूदा आबादी में गिरावट पर अंकुश लगाकर एक प्रजाति को संरक्षित करने का विज्ञान है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य (विलुप्त) प्रजातियों की आनुवांशिक विविधता को संरक्षित करना और प्राकृतिक पर्यावास में आत्मनिर्भर आबादी को फिर से स्थापित करने के लिए प्रजातियों को पुनर्स्थापित करना या फिर से पेश करना है। पश्चिम बंगाल चिड़ियाघर प्राधिकरण के सदस्य सचिव सौरव चौधरी ने कहा, वर्ष 2024 में फिशिंग कैट के कुल छह से आठ जोड़ों को उनके प्राकृतिक पर्यावास में छोड़े जाने की उम्मीद है।

फिशिंग कैट (प्रियोनैलुरस विवेरिनस) या 'बाघरोल' एक मध्यम आकार की जंगली बिल्ली है, जो भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों में पाई जाती है।

सपा ने घोषित की अपनी नई राज्य कार्यकारिणी इकाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) ने रविवार को अपनी नई राज्य कार्यकारिणी इकाई का ऐलान कर दिया। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद इसे भंग कर दिया था। सपा नेता नरेश उत्तम पटेल हालांकि, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद पर बने हुये थे।

सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया, रविवार को पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की मंजूरी के बाद 182 सदस्यीय राज्य कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि राज्य कार्यकारिणी में अन्य लोगों के अलावा 61 सचिव, 48 सदस्य और 62 विशेष आमंत्रित सदस्य भी शामिल किये गये हैं। सपा के वरिष्ठ सदस्य मोहम्मद आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम को पार्टी का प्रदेश सचिव बनाया गया है। इसे पार्टी के गढ़ रामपुर और आज़मगढ़ में विधानसभा और लोकसभा उपचुनावों में हार के बाद पार्टी को पुनर्जीवित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है कि सपा ने पिछले साल अपने सभी संगठनों की राष्ट्रीय, राज्य और जिला इकाइयों को भंग कर दिया था।

जेसीसी (जे) से निष्कासित विधायक धर्मजीत सिंह भाजपा में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) से निष्कासित विधायक धर्मजीत सिंह रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। राज्य में भाजपा मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित एक समारोह के दौरान सिंह के साथ भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के पूर्व अधिकारी एसएसडी बडगैया भी भाजपा में शामिल हुए।

राज्य में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिंह के भाजपा में शामिल होने को, चुनाव के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

साव ने पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि विभिन्न दलों और समाज के विभिन्न वर्ग के लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं, जिससे स्पष्ट है कि राज्य में बदलाव की हवा चल रही है और नवंबर के बाद छत्तीसगढ़ में 'कमल' खिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता कांग्रेस के कुशासन से तंग आ चुकी है और अब पूरे विश्वास के साथ भाजपा की ओर देख रही है।

साव ने कहा, हम सभी मिलकर छत्तीसगढ़ को बचाने के लिए काम करेंगे। लोरमी विधानसभा सीट से चार बार के विधायक धर्मजीत सिंह बिलासपुर संभाग में एक मजबूत और लोकप्रिय नेता माने जाते हैं।

खरगे ने मोदी सरकार पर स्वास्थ्य प्रणाली को 'बीमार' बनाने का आरोप लगाया, मांडविया का पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए रविवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने देश की स्वास्थ्य प्रणाली को बीमार बना दिया है और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे अस्पताल भी चिकित्सकों तथा अन्य कर्मियों की कमी की समस्या से जूझ रहे हैं।

कांग्रेस प्रमुख ने यह भी दावा किया कि लोग अब जाग गए हैं और मोदी सरकार की विदाई का समय अब आ गया है। खरगे ने एक मीडिया रिपोर्ट का भी हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया है कि 19 एम्स में चिकित्सकों एवं अन्य कर्मियों की कमी है।

कांग्रेस प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर काव्यात्मक अंदाज में लिखा, लूट और जुमलों ने देश को किया अस्वस्थ, मोदी जी के हर शब्द में केवल झूठ ही कंठस्थ। दावा किया कि बनाए हैं एम्स कई सारे, सच्चाई है कि 'डॉक्टर-स्टाफ' की भारी कमी से जूझे एम्स हमारे। उन्होंने लिखा, मोदी जी, कोरोना वायरस महामारी के दौरान उदासीनता से लेकर, आयुष्मान भारत में घपलेबाजी तक आपकी सरकार ने देश की स्वास्थ्य प्रणाली को बीमार बनाया है। खरगे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, जनता जाग चुकी है, आपका छल-कपट पहचान चुकी है, आपकी सरकार की विदाई की घड़ी आ चुकी है। मांडविया ने 'एक्स' के जरिए खरगे पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस के शासन में केवल एक एम्स खोला गया था जबकि मोदी सरकार में 15 संस्थान खोले जा रहे हैं।

प्रियंका काबिल हैं और पार्टी उनके लिए बेहतर योजना बनाएगी: रॉबर्ट वाद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाद्रा ने कहा है कि उनकी पत्नी प्रियंका गांधी बहुत अच्छी सांसद साबित होंगी और उम्मीद जताई कि पार्टी उनके लिए बेहतर योजना बनाएगी।

वाद्रा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, उन्हें (प्रियंका को) निश्चित रूप से लोकसभा में होना चाहिए। उनके पास काबिलियत है। वह बहुत अच्छी सांसद साबित होंगी और वह वहां होने की हकदार हैं। मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी इसे ध्यान मे रखते हुए उनके लिए बेहतर योजना बनाएगी। वाद्रा ने संसद में उनका नाम उद्योगपति गौतम अडाणी के साथ जोड़ने के लिए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी पर प्रहार किया। संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरन, ईरानी ने अडाणी के साथ वाद्रा की एक तस्वीर दिखाई थी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के पति वाद्रा ने कहा कि वह राजनीति से दूर रहते हैं लेकिन अगर कहीं मेरा नाम आएगा तो मैं बोलूंगा क्योंकि अगर वे कुछ कहते हैं, तो उन्हें उसका सबूत भी देना होगा।

यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि कल के लिए तैयार रहूं : यशस्वी जायसवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लॉडरहिल (अमेरिका)/भाषा। पहले टेस्ट क्रिकेट और फिर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ने वाले प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा के यह अभी शुरुआत है और उन्हें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि वह कल के लिए तैयार रहें।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन करने वाले 21 वर्षीय जायसवाल ने भारत की तरफ से अपने पदार्पण टेस्ट क्रिकेट मैच में शतक जड़ा और फिर अर्धशतक बनाया।

जायसवाल को इसके बाद जब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका मिला तो उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 मैच में 51 गेंदों पर नाबाद 84 रन बनाए। यह उनका सबसे छोटे प्रारूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर केवल दूसरा मैच था। जायसवाल ने भारत की नौ विकेट से जीत के बाद कहा, यह अभी केवल शुरुआत है। मैं अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहता हूं। मैं अपने आज के प्रदर्शन से खुश हूं लेकिन मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि मैं कल के लिए भी तैयार रहूं।

उन्होंने कहा, यह अर्धशतक वास्तव में खास है। भारत का प्रतिनिधित्व करना गौरवशाली क्षण होता है। निश्चित तौर पर इसके पीछे कड़ी मेहनत छुपी होती है। मैं खुशनसीब हूं कि मैं आज अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहा। भारत ने पांच मैच की श्रृंखला में लगातार दो मैच हारने के बाद ईशान किशन को शीर्ष क्रम से हटाकर जायसवाल को मौका दिया। उन्होंने शुभमन गिल के साथ मिलकर चौथे टी20 मैच में पहले विकेट के लिए 165 रन जोड़कर भारतीय रिकॉर्ड की बराबरी की। पिछला रिकॉर्ड रोहित शर्मा और केएल राहुल के नाम था। ऐसे में स्वाभाविक ही यह सवाल पैदा होता है कि क्या यह नए युग की शुरुआत है।

जायसवाल ने इस पर विनम्रता से जवाब दिया, उन्होंने (रोहित और राहुल) ने जो किया है वह अद्भुत है। वे खेल के दिग्गज हैं। हमें बस वह करने की जरूरत है जो हम कर सकते हैं। हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है।

अच्छा फॉर्म जारी रखकर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना चाहते हैं लक्ष्य सेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का लक्ष्य एशियाई खेलों में पहला पदक जीतना और विश्व रैंकिंग में चोटी के पांच खिलाड़ियों में जगह बनाना है लेकिन उनकी पहली प्राथमिकता अपनी हाल की शानदार फॉर्म जारी रखकर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना है। सेन ने खराब दौर से गुजरने के बाद हाल में लय हासिल करके जुलाई में कनाडा ओपन में खिताब जीता और इसके बाद अमेरिकी ओपन और जापान ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे। अल्मोड़ा के रहने वाले इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 2021 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था और उन्हें उम्मीद है कि वह 21 अगस्त से डेनमार्क के कोपेनहेगन में होने वाली प्रतियोगिता में फिर से पदक जीतने में सफल रहेंगे।

सेन ने यहां भारतीय बैडमिंटन संघ के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन के मौके पर पीटीआई से कहा, विश्व चैंपियनशिप में केवल एक सप्ताह का समय बचा है और मुझे लगता है कि मैंने जो पिछले टूर्नामेंट खेले हैं उनसे वास्तव में मुझे मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, मेरी तैयारियां अच्छी चल रही हैं। पिछले कुछ टूर्नामेंट में मेरी फॉर्म अच्छी रही लेकिन अब भी कुछ नई चीजें सीखने और सुधार करने की गुंजाइश है। मैंने हाल में कुछ अच्छे मैच खेले हैं और इससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिलेगा। सेन ने कहा, अगले एक सप्ताह या 10 दिन में मैं वास्तव में अच्छा अभ्यास और उसके बाद विश्व चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। एशियाई खेल चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक खेले जाएंगे और सेन का लक्ष्य इन खेलों में पदक जीतना है। उन्होंने कहा, यह वास्तव में बड़ी प्रतियोगिता है जो चार साल में एक बार आयोजित की जाती है इसलिए यह विशेष है। मैं इस तरह की बड़ी प्रतियोगिताओं में दो बार खेला हूं।

सुविचार

रिश्तों की लाश लिए घूमते हैं, हम खुद में शमशान लिए घूमते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कांटों का ताज

पाकिस्तान में बलोचिस्तान प्रांत से सीनेट सदस्य अनवार-उल हक काकड़ को कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त कर फौज ने एक तीर से कई निशाने साधने की कोशिश की है। हालांकि तीर कितना कारगर सिद्ध होगा, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इतना तय है कि काकड़ ने अपने सिर पर 'कांटों का ताज' पहना है। उनके सामने मुल्क की बदहाल अर्थव्यवस्था है, खजाना खाली पड़ा है और आतंकवादी हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। निवर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और भंग की जा चुकी नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता राजा रियाज अहमद के बीच विचार-विमर्श के बाद काकड़ के नाम पर 'सहमति' जरूर बनी, लेकिन आखिरी मोहर रावलपिंडी से ही लगी। फौज इस कुर्सी पर ऐसे व्यक्ति को बैठाना चाहती थी, जो उसकी 'हां में हां' मिलाए और 'हीरो बनने की कोशिश' कर कोई मुसीबत खड़ी न करे, जैसा कि वह पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के मामले में ग़लत-फ़हमी का शिकार हो गई थी। पाक फौज दूध से मुंह जलाकर छाछ भी फूंक-फूंककर पी रही थी। आखिरकार उसकी खोज काकड़ पर पूरी हुई। काकड़ बलोचिस्तान से आते हैं, लेकिन वे पश्तून हैं। वे बलोचिस्तान अवामी पार्टी (बीएपी) के सदस्य हैं, जिसे फौज का 'आशीर्वाद' प्राप्त है। वे ऐसे नेता भी नहीं हैं, जिनका कोई खास जनाधार हो या जिनकी एक आवाज पर पूरे पाकिस्तान में लोग सड़कों पर उतर आएं और फौज के लिए समस्या पैदा कर दें। काकड़ की ये ही कमियां उन्हें कार्यवाहक प्रधानमंत्री के पद तक ले आईं। अगर वे लोकप्रिय नेता होते, जो किसी मुद्दे को लेकर फौज के सामने खड़े हो सकते, तो उन्हें किसी सूरत में यह पद नहीं दिया जाता।

काकड़ को कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनाकर फौज ने असंतुष्ट पश्तूनों को साधने की कोशिश की है। इसके अलावा यह संदेश देना चाहती है कि वह बलोचिस्तान के नेताओं को भी उच्च पद दे सकती है। चूंकि बलोचों में अलगाववाद जोरों पर है। बलोचिस्तान में आए दिन फौज पर हमले हो रहे हैं। अभी काकड़ के लिए सबसे बड़ी परीक्षा अर्थव्यवस्था में जान फूंकना है। पाकिस्तानी रुपए ने खुले बाजार में तिहरा शतक लगाते हुए डॉलर के मुकाबले 302 का आंकड़ा छू लिया है। कारोबारियों को डॉलर मिलने में बड़ी दिक्कत हो रही है। हाल में विदेशी कर्ज मिलने के बाद कुछ राहत महसूस हुई थी, लेकिन यह गर्म तवे पर पानी की कुछ बूंदों की तरह है। जैसे ही मांग बढ़ेगी, डॉलर का अकाल शुरू हो जाएगा। इससे आयात बिल बढ़ जाएगा, जिसके नतीजे में महंगाई में वृद्धि होगी। पाक में चर्चा है कि काकड़ आईएमएफ की पसंद हैं। वे उसके निर्देशों को सख्ती से लागू करेंगे, जिसका अर्थ है- जनता पर और ज्यादा आर्थिक बोझ बढ़ेगा। वहीं, पाक मीडिया में चर्चा है कि आईएमएफ चालू वित्त वर्ष में रुपए का 20 प्रतिशत तक अवमूल्यन चाहता है। अगर ऐसा हुआ तो अगले साल जून में डॉलर 330 से 340 रुपए तक जा सकता है। इससे जनता में असंतोष बढ़ेगा, विरोध प्रदर्शन होंगे। अगर मुद्रा का इतना अवमूल्यन पीटीआई या पीएमएल-एन के शासन काल में होता तो जनता के प्रति उनकी जवाबदेही बढ़ जाती। अब ये पार्टियां यह कहने की स्थिति में होंगी कि मुल्क में महंगाई के जिम्मेदार काकड़ हैं, हमने तो इस पर काफी नियंत्रण रखा था। कुल मिलाकर, यह कहना उचित होगा कि पाक फौज को निकट भविष्य में बिगड़ने वाले हालात का ठीकरा फोड़ने के लिए एक व्यक्ति की तलाश थी। सौभाग्य / दुर्भाग्य से अनवार-उल हक काकड़ मिल गए और इस भूमिका के लिए खुशी-खुशी तैयार हो गए।

ट्वीटर टॉक

महिलाओं पर अत्याचार गहलोत सरकार में दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है ,अभी अभी पता चला है की जोधपुर में महिला को काट कर हत्या की गयी धड़ मिला , सर ग़ायब है ।ऐसी जघन्य घटना प्रतिदिन दो दर्जन से अधिक हो रही है , ग्रह मंत्री गहलोत जी इस्तीफ़ा दे दीजिए ।

-अरुण सिंह

राजस्थान सरकार रे राज में आपारी जान री कीमत एक टका भी कौनी, साढ़े चार साला में रोजाना लगभग पाँच सौ संगीन अपराध दर्ज होवै है। साढ़े सात हजार सु ज्यादा निर्दोष लोगा रा मर्डर हौया है और तीस हजार सु ज्यादा अपहरण, दंगा 10 गुना बढ़ गया है।

-राजेन्द्र राठौड़

मारवाड़ के महान योद्धा वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौर की जयंती पर भावपूर्ण नमन। राजस्थान की वीर धरा को आततायी शक्तियों से मुक्ति दिलाने में दुर्गादास जी ने अपनी खड़ग से अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। उनका शौर्य, पराक्रम और मातृभूमि के प्रति समर्पण प्रेरणादाई है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

निर्मल मन

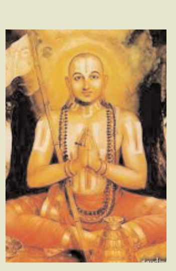

संत रामानुजाचार्य काफी वृद्ध और कमजोर हो जाने के बाद भी प्रात:काल स्नान के लिए नदी तट पर जाया करते थे। वे स्नान करने जाते समय अपने ब्राह्मण शिष्यों का सहारा लेते थे और लौटते समय वंचितों का। लोगों की समझ में यह बात नहीं आ रही थी कि स्वामी जी स्नान के बाद अपने शरीर को शूद्रों से क्यों छुआते हैं? एक दिन उनके एक भक्त से रहा न गया और उसने स्वामी जी से पूछा, 'महाराज! आप स्नान करने के बाद अपने शरीर को वंचितों से क्यों छुआते हैं? ऐसा करने से तो आपका शरीर अपवित्र हो जाता है?' स्वामी जी मुस्कुराकर बोले, 'वत्स! मैं अहंकार दमन का उपदेश देता हूं, तो मेरे भीतर अहंकार नही होना चाहिए। यदि अहंकार रहेगा तो मेरे उपदेश व्यर्थ हैं। स्नान से मेरा शरीर निर्मल होता है, किंतु वंचितों के संसर्ग से मेरा मन पवित्र हो जाता है। शरीर की शुद्धि के साथ-साथ मन की शुद्धि भी परम आवश्यक है।'

सामयिक

अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्ष बनाम सरकार

अवधेश कुमार
मोबाइल : 98911027208

लोकसभा में तीन दिनों तक चले अविश्वास प्रस्ताव पर बहस ने आगामी 2024 लोकसभा चुनाव तक की राजनीतिक ध्वनियों की दिशा तय कर दी है। राजनीति में सामान्य रुचि रखने वालों में से भी शायद ही कोई हो जिसने अविश्वास प्रस्ताव की चर्चा अवसर मिलने पर लाइव न देखी या सुनी हो। पार्टियों और नेताओं के लिए यह केवल एक दूसरे को घेरने, उत्तर देने, व्यंग्य और कटाक्ष करने का ही अवसर नहीं होता, बल्कि नेताओं -कार्यकर्ताओं - समर्थकों को बोलने व तर्क करने के लिए विषय-वस्तु, शब्दावलियां भी प्रचुर मात्रा में प्राप्त होती है। कम से कम भाजपा और कांग्रेस के नेताओं ने बोलते समय इस पहलू का अवश्य ध्यान रखा। बावजूद यह संभवतः पहला अविश्वास प्रस्ताव था जिसमें सरकार की ओर से बोलने वालों को विपक्ष के तथ्यों, तर्कों व आरोपी की काट के लिए शोध या छानबीन कर विषयवस्तु लाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। विपक्ष चाहे जितनी अपनी वाहवाही करे कि उसने प्रधानमंत्री को बोलने के लिए विवश कर दिया, सच यह है कि उनकी तैयारी ऐसी नहीं थी जिससे सरकार को घेरा जा सके। विपक्ष के नेताओं का एक भी भाषण नहीं जिसे सुनने के बाद लगे कि सरकार के लिए इसका उत्तर देना कठिन या असंभव होगा या वह निरुत्तर हो जाएंगे। आप आरोप लगाएं, हमले करें और उनमें अधिकृत तथ्य नहीं हो तो संसद की बहस में उसके मायने नहीं होते। सच कहा जाए तो सरकार की ओर से विशेषकर गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण या प्रधानमंत्री तक ने अपनी ओर से ही संबंधित विषय रखे ताकि वह सब संसद के रिकॉर्ड में आ जाए और रुचि रखने वालों को उपलब्ध हो।

आईएनडीआईए के गठन के बाद 26 दलों के संगठित विपक्षी समूह के लिए यह नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल का सबसे बड़ा अवसर था जिसमें वह स्वयं की क्षमता प्रमाणित कर सकते थे। वे साबित कर सकते थे कि हमारे पास इतनी योग्यता है जिससे हम सरकार को उन्हीं के तथ्यों और तर्कों से कटघरे में खड़ा कर सकते हैं, देश के भविष्य को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समानांतर हर विषय पर हमारे पास ऐसी रूपरेखा और सोच के साथ व्यक्तित्व भी हैं जो बेहतर सरकार चला सकते हैं। क्या कोई स्वीकार करेगा कि आईएनडीआईए इन कसौटियों पर स्वयं को खरा उतारने में सफल हो सका? कांग्रेस की ओर से तरुण गोगोई ने अवश्य अपने भाषण में विषयवस्तु रखें, लेकिन वह इतना प्रभावी नहीं था जिनसे सरकार को उत्तर देने में कठिनाइयां पैदा हो। राहुल गांधी जब दूसरे दिन बोलने के लिए खड़े हुए तो सोचा गया कि भारत जोड़ो यात्रा तथा सजा के कारण चार महीने से ज्यादा समय तक लोकसभा सदस्यता से वंचित रहने के बाद उनके भाषण में अवश्य तथ्यों के साथ कटाक्ष एवं आक्रमण होंगे। आखिर आईएनडीआईए की सबसे बड़ी पार्टी के शीर्ष सक्रिय नेता होने के कारण संसद में आगे बढ़कर अपने वक्तव्य से उन्हें ही नेतृत्व संभालना था। जब आप 37 मिनट के भाषण में 15 मिनट से ज्यादा भारतयात्रा पर बोलेंगे और शेष सरकार को देशद्रोही से लेकर भारत माता की हत्या करने वाले बाबा बताने में ही समय लगा देंगे तो आपके पास मणिपुर से लेकर आर्थिक, सांस्कृतिक, रक्षा, विदेश नीति, आंतरिक सुरक्षा आदि पर बोलने के लिए समय कहां रहेगा। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी का वक्ताओं में नाम भी नहीं था। ऐसा लगता है जब गृह मंत्री अमित शाह ने तंज कसा तो नाम शामिल किया गया। ऐसा लगा जैसे वे प्रधानमंत्री के लिए अपमानजनक, अशोभनीय शब्दों और तुलनाओं की पोटली लेकर उपस्थित हुए हो। परिणामत: भाजपा के सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त से उनकी भीड़ंत होते-होते बची। वीरेंद्र सिंह ने सदन में अपने व्यवहार के लिए क्षमा मांग लिया पर अधीर रंजन इसके लिए तैयार नहीं हुए। उन्हें न केवल निलंबन झेलना पड़ा बल्कि मामला विशेषाधिकार समिति के पास चला गया है।

सरकार की ओर दृष्टि डालिए तो दो भाषणों पर सबसे ज्यादा ध्यान था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह। संसद के अंदर गृह मंत्री अमित शाह ने अभी तक के भाषणों से योग्यता और क्षमता को बार-बार प्रमाणित किया है। भाजपा के विरोधी टिप्पणीकार भी कह रहे हैं कि उनका भाषण सबसे प्रभावी था क्योंकि उसमें हर उन पहलुओं से संबंधित तथ्यात्मक विवरण और तर्क थे, हर ऐसे प्रश्न के उत्तर थे जो विरोधी लगातार उठाते। इसके साथ उन्होंने अपनी ओर से और ऐसी बातें रख दीं जिनसे सरकार का पक्ष मजबूत होता हो और भाजपा के नेताओं - कार्यकर्ताओं को तो बोलने के लिए विषय वस्तु मिलते ही हो देश के आम लोगों को भी लगे लगे कि वाकई सरकार ने हर स्तर पर काम किया है और आगे भी कर रही है। मणिपुर पर उन्होंने करीब आधा घंटा बोला जिसमें उत्तर-पूर्व की कुछ और कुछ बातें भी थीं। वे अपने भाषण से यह संदेश देने में सफल रहे कि विपक्ष के सारे आरोप निराधार व राजनीति से प्रेरित हैं। मणिपुर में हिंसा भड़कने के 24 घंटे के अंदर ही सरकार ने वे सारे कदम उठाएं और अभी भी सक्रिय है ताकि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं हो।

अधीर रंजन चौधरी का भाषण उनके अगले दिन था। वे गृह मंत्री के भाषण पर फोकस कर विपक्ष की दृष्टि से अपनी बात रखते तो लगता कि वाकई विपक्ष का कोई नेता सरकार को उसके तथ्यों के आईने में घेरने के लिए तैयारी किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाषण कला पर कुछ कहने की आवश्यकता नहीं। पूरे अविश्वास प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि प्रधानमंत्री ने अपने व्यंग्य, हास्य व कटाक्षों के साथ उपमा, अलंकारों आदि का प्रयोग कर यह साबित किया कि कठोर से कठोर बातें और तीखे हमले के लिए उग्र होकर गुस्सैल शब्दावलियों का प्रयोग करना हमेशा आवश्यक नहीं होता। उन्होंने विपक्ष विशेषकर कांग्रेस की बखिया उधेड़ दी किंतु बोलने की शैली ऐसी थी जिसमें हंगामा व विरोध का अवसर नहीं मिला। समर्थक हो या विरोधी प्रधानमंत्री को सुनते समय बार-बार हंसी आती थी। उदाहरण के लिए उन्होंने आईएनडीआईए नाम को लेकर यही कहा कि आपने इसके लिए भी एनडीए चुरा लिया तथा आपका इंडिया घमंडइयआ है, जिसमें दो आई एक हम और दूसरा परिवार के लिए है। यह सुनने में सरल लगता है लेकिन ऐसे कटाक्ष के लिए भी काफी सोचना पड़ा होगा। उन्होंने यूपीए की जगह आईएनडीआईए रखने पर भी तंज कसा कि आपने यूपीए का क्रिया कर्म और श्राद्ध कर दिया जिस पर मैं थोड़ी देर से संवेदना प्रकट कर रहा हूं। लेकिन आप खंडहर पर प्लास्टर चढ़ा कर जश्न मना रहे हैं। इंडिया नाम रखने से आप इंडिया नहीं हो सकते हैं और इसके लिए उन्होंने दो पंक्तियां सुनाई - 'दूर युद्ध से भागते नाम रखा रणधीर, भाग्यचंद की आज तक सोई है तकदीर।' इस पर ठहाके तो लगने थे। अविश्वास प्रस्ताव का उपहास उड़ाते हुए उन्होंने कहा कि आपको मैंने 2018 में काम दिया था और मैं आभारी हूं कि आपने उसे पूरा किया। यानी आपने मेरे कहने पर 2023 में अविश्वास प्रस्ताव लाया लेकिन थोड़ी तैयारी करके तो लाते, अब मैं फिर आपको काम दे रहा हूं कि 2028 में आप लाइए लेकिन थोड़ी तैयारी करके लाइए। इस आपा खोने की शैली में हमला किया जा सकता था, लेकिन इस शैली का प्रभाव लंबे समय तक रहेगा। हालांकि उन्होंने समय-समय पर आक्रामकता भी प्रदर्शित की, पर अपने पद और उत्तरदायित्व का ध्यान रखा। देश को यह कहते हुए संबोधित किया कि यह कालखंड महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत और विश्व में आर्थिक महाशक्ति बनकर उठकर खड़ा हो रहा है तथा ऐसी कई स्थितियां हैं जिनसे अगले 1000 सालों का आधार बनेगा। इस कारण सबको अपने-अपने दायित्व का पालन करना है। विपक्ष ने सबसे बड़ी गलती बहिर्गमन में जल्दबाजी करके किया। प्रधानमंत्री मणिपुर पर नहीं बोल रहे हैं तो इसी का बहाना बनाकर निकल जाओ। उसके बाद प्रधानमंत्री ने मणिपुर और पूर्वोत्तर पर भी बोला। यह विश्वास दिलाते हुए कि मणिपुर में भी शांति का सूरज चमकेगा और मिलकर वहां इसके लिए प्रयास करने की अपील की। उन्होंने मणिपुर के लोगों से भी अपील की। इस तरह प्रधानमंत्री का अविश्वास प्रस्ताव पर उत्तर देश के नेता का उत्तर था जिसमें विपक्ष की आलोचना थी, राजनीति में संसद के अंदर और बाहर तनाव और उग्र हिंसाजनक शब्दों को देखते हुए उसे व्यंग्य और हास्य से ठंडा करने की कोशिश थी तो देश के अंदर आत्मविश्वास पैदा करने का भाव भी। चूंकी विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव लाकर भी मैदान खाली छोड़ दिया था इसलिए प्रधानमंत्री, गृहमंत्री एवं दो-तीन दूसरे नेताओं के लिए अपने तरीके से बात रखने का पूरा अवसर था। आईएनडीआईए गठबंधन के बाद अगर अविश्वास प्रस्ताव को लेकर नेताओं की बैठक होती और नेताओं को अलग-अलग विषय बोलने के लिए दिए जाते तो स्थिति दूसरी होती। विपक्ष के व्यवहार से यही संदेश निकला कि राजनीतिक विवशताओं के चलते वे साथ आ गये, पर उनके बीच सरकार से मुकाबले के लिए भी समन्वय और सामंजस्य का अभाव है। हालांकि सरकार की ओर से भी कई वक्ताओं के भाषण प्रभावी और स्तरीय नहीं थे, पर कुल मिलाकर समन्वय और सामंजस्य के साथ परिश्रम और तैयारी की पूरी झलक थी।

विशेष

नई संभावनाओं का प्रभामंडल लेकर आया स्वतंत्रता दिवस

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है,और इसे हम लेकर रहेंगे यह घोषणा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर नायक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने की थीश्र सचमुच स्वतंत्रता के बिना जीवन व्यर्थ है। पराधीन मनुष्य ना तो सुखी जीवन जी पाता है और ना ही अपनी इच्छाओं के अनुकूल जीवन व्यतीत कर पाता है। इसीलिए कहा गया है 'पराधीन सपनेहु सुख नाही'। प्रत्येक व्यक्ति के लिए स्वतंत्रता विशेष महत्व रखती है, और कई वर्ष पराधीन रहने के बाद स्वतंत्रता हासिल हुई हो तो ऐसी स्वतंत्रता का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। हमारा देश भारत सदियों से परतंत्रता के बाद 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ था, पर इस पर ओलंपिक और कामनवेल्थ खेलों में में कमाल करने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने स्वतंत्रता दिवस को हर्षोल्लास और आनंद में तब्दील कर दिया है। यह अमृत महोत्सव हमें हमेशा याद दिलाता रहेगा की भारत को विश्व गुरु होना है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नए भारत को जन्म दिया जाना है, हमारी युवा शक्ति, युवा पीढ़ी इस देश को अजर अमर बनाने में सदैव प्रयत्नशील रही है श्र भारत का हजारों वर्ष पुराना इतिहास है, इस लंबे इतिहास में कई विदेशी आक्रमणों का सामना करना पड़ा हैश्र अधिकतर विदेशी आक्रमणकारी यहां रहने के दौरान भारतीय सभ्यता संस्कृति में इस तरह घुल मिल गए मानो वह भारत के मूलनिवासी है. विदेशी आक्रमणकारियों के आगमन एवं यहां की सभ्यता संस्कृत में घुल मिल जाने का सिलसिला मध्यकालीन मुगलों के शासन तक चलता रहा। 18 वीं शताब्दी में जब अंग्रेजों ने भारत के कुछ हिस्सों पर अधिकार जमाया तो पहली बार भारत की जनता को गुलामी का एहसास हुआ। आक्रमणकारी अंग्रेजों ने भारत देश को गुलाम बनाकर अपने स्वयं के देश को धन धान्य से पूर्ण करने के लिए भारत की धरती का संपूर्ण दोहन कर धन को इंग्लैंड भेजते रहे, बाद में तो अंग्रेजों ने मुगल शासकों को परास्त कर पूरे भारत पर आधिपत्य ही कर लिया था। पर आजादी और स्वतंत्रता के दीवानों ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष का बिगुल फूंक दिया था।

संघर्ष में भारत माता के असंख्य वीर पुत्र शहीद हुए, कई युवा अंग्रेजों के जुल्म का शिकार हुए, मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व निछावर करने वाले बहुत से वीरों को जेल की सलाखों के पीछे जीवन व्यतीत भी करना पड़ा। कई वीर सपूतों को काला पानी की सजा भी झेलनी पड़ी। आजादी का यह संघर्ष वर्ष 1947 तक चला। सदियों से गुलामी के बाद 1947 में जब भारत आजाद हुआ। तब भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने लाल किले पर स्वतंत्रता का तिरंगा फहराया और पूरे भारत देश के नागरिकों ने आजादी की सांस लीश्र आज भी हम शहीदों को उनकी कुर्बानी के लिए याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस अमृत महोत्सव में राम प्रसाद बिस्मिल की कहिए पंक्तियां सदैव याद आती हैं - शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले,वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशा होगा। जिस तरह खून और पसीना बहा कर हमारे खिलाड़ियों ने जापान ओलंपिक 2020 में 7 पदक और कॉमनवेल्थ खेलों में 22 स्वर्ण पदक लाया हैं, उसी तरह उससे कहीं ज्यादा अथक प्रयास कर भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अपने खून तथा पसीने से आजादी पाई थी। आज हम उनको याद कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। साथ ही स्वतंत्रता का सही मूल्यांकन भी हम सभी को करना होगा और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व त्यागना होगा। तब जाकर स्वतंत्रता का 76 वां अमृत महोत्सव का सच्चा मायने होगा. हमें हर हाल में सांप्रदायिक ताकतों एवं देश की विघटनकारी शक्तियों का विरोध कर अपनी राष्ट्रीय एकता को बचा कर रखना होगा।

चिंतन

बदलेंगे अंग्रेजों के जमाने के कानून

डॉ सत्यवान सौरभ,
मोबाइल : 9466526148

गयारह अगस्त 2023 को ब्रिटिश काल के 164 साल पुराने कानूनों को बदलने के लिए तीन नए विधेयक संसद में पेश किए गए। प्रतिस्थापित किए जाने वाले तीन कानून हैं - भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), और भारतीय साक्ष्य अधिनियम। पेश किए जा रहे तीन नए विधेयक हैं भारतीय न्याय संहिता विधेयक, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक और भारतीय साक्ष्य विधेयक। जिन कानूनों को निरस्त किया जाएगा... उन कानूनों का फोकस ब्रिटिश प्रशासन की रक्षा करना और उन्हें मजबूत करना था, विचार दंडित करना था न कि न्याय देना। उन्हें प्रतिस्थापित करके, नए तीन कानून लोगों के अधिकारों की रक्षा करने की भावना लाएंगे।

इसका उद्देश्य सज़ा देने के बजाय न्याय प्रदान करना है। ये आतंकवाद, मॉब-लिंचिंग और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे मुद्दों को संबोधित करेंगे। देश की आपराधिक न्याय प्रणाली, जिसने 1860 से 2023 तक ब्रिटिश-निर्मित कानूनों का पालन किया है, महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है क्योंकि तीन कानूनों को बदलने की योजना है। यह बदलाव देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा। भारतीय संहिता सुरक्षा विधेयक की धारा 150 राजद्रोह की वैकल्पिक सजा को 3 से 7 साल तक बढ़ाने के लिए भारत के विधि आयोग की सिफारिश पर विचार करती है। आयोग ने देश की सुरक्षा और एकता को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए 153 साल पुराने राजद्रोह कानून को बरकरार रखने का सुझाव दिया है। आईपीसी की धारा 124ए (देशद्रोह कानून) को भी संशोधित कर आयोग राजद्रोह कानून को बदलने का प्रस्ताव करता है, जो वर्तमान में आजीवन कारावास या 3 साल तक की सजा की अनुमति देता है, वैकल्पिक रूप से 7 साल की सजा। इससे अदालतें गंभीरता के आधार पर दंड तय कर सकेंगी। मॉब लिंचिंग पर एक नए प्रावधान से, सात साल की कैद या आजीवन कारावास या मौत की सजा का प्रावधान; वीडियो ट्रायल, एफआईआर की ई-फाइलिंग के माध्यम से त्वरित न्याय को सक्षम करना; राजद्रोह की परिभाषा का विस्तार; भ्रष्टाचार, आतंकवाद और संगठित अपराध को दंडात्मक कानूनों के तहत लाना; सजा के नए रूपों के रूप में सामुदायिक सेवा और एकांत कारावास की शुरुआत करना; किसी अभियुक्त की अनुपस्थिति में सुनवाई करना; और कपटपूर्ण तरीकों का उपयोग करके यौन संबंधों से संबंधित महिलाओं के खिलाफ अपराध के दायरे का विस्तार करना - नए विधेयक आपराधिक न्यायशास्त्र में महत्वपूर्ण बदलाव प्रदान करते हैं।

भारतीय न्याय संहिता विधेयक की धारा 44 भीड़ के हमलों जैसे घातक हमलों के खिलाफ आत्मरक्षा की अनुमति देती है। धारा 31 कहती है कि नेक इरादे से संचार के माध्यम से अनजाने में नुकसान पहुंचाना अपराध नहीं है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत यदि आरोपी मुकदमे के दौरान अधिकतम सजा की आधी सजा काट लेता है तो उसे जमानत मिल जाती है। कुछ अपराधों का लक्ष्य लिंग-तटस्थ होना है। भारतीय न्याय संहिता में आतंकवाद और संगठित अपराध से संबंधित अपराध भी शामिल हैं। इन विधेयकों के आने से देश की न्यायिक व्यवस्था में काफी सुधार आएगा।

आपराधिक न्याय प्रणाली ब्रिटिश औपनिवेशिक न्यायशास्त्र की प्रतिकृति है, जिसे राष्ट्र पर शासन करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया था, न कि नागरिकों की सेवा करने के लिए। आपराधिक न्याय प्रणाली का उद्देश्य निर्दोषों के अधिकारों की रक्षा करना और दोषियों को दंडित करना था, लेकिन आजकल यह प्रणाली आम लोगों के उत्पीड़न का एक साधन बन गई है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, न्यायिक प्रणाली में, विशेषकर जिला और अधीनस्थ अदालतों में लगभग 3.5 करोड़ मामले लंबित हैं, जो इस कहावत को चरितार्थ करता है कि न्याय में देरी, न्याय न मिलने के समान है। भारत में दुनिया के सबसे अधिक संख्या में विचाराधीन कैदी हैं।

नए प्रकार के दंड जैसे सामुदायिक सेवा आदेश, पुनर्स्थापन आदेश और पुनर्स्थापनात्मक और सुधारात्मक न्याय के अन्य पहलुओं को भी इसके दायरे में लाया जा सकता है। अपराधों का वर्गीकरण भविष्य में अपराधों के प्रबंधन के लिए अनुकूल तरीके से किया जाना चाहिए। आईपीसी के कई चैप्टर कई जगहों पर ओवरलोडेड है। लोक सेवकों के खिलाफ अपराध, प्राधिकरण की अवमानना, सार्वजनिक शांति और अतिचार के अध्यायों को फिर से परिभाषित और संकुचित किया जा सकता है। किसी कार्य को अपराध घोषित करने से पहले पर्याप्त बहस के बाद मार्गदर्शक सिद्धांतों को विकसित करने की आवश्यकता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

‘अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भारत के साथ संबंध महत्वपूर्ण’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और अमेरिका के बीच विशेष रूप से रक्षा और नई प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में एक टिकाऊ साझेदारी चीन के आक्रामक व्यवहार का मुकाबला करने तथा यूक्रेन संकट के परिणामों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है। अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने यहां रविवार को यह कहा। थानेदार ने एक साक्षात्कार में कहा कि अमेरिकी संसद में यह आम राय है कि नई दिल्ली के साथ वाशिंगटन के संबंध अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद, अमेरिकी सांसदों के उस द्विदलीय समूह का हिस्सा हैं जो 15 अगस्त को ऐतिहासिक लाल किले से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन सहित कई कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए के लिए भारत आये हैं।

थानेदार ने कहा कि भारत के साथ घनिष्ठ संबंधों के लिए अमेरिका में द्विदलीय समर्थन है और यह 23 जून को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संबोधित करने के दौरान उनका डेमोक्रेटिक पार्टी और रिपब्लिकन पार्टी, दोनों दलों द्वारा गर्मजोशी से किये गए स्वागत से स्पष्ट था।

थानेदार ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा बहुत महत्वपूर्ण थी। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच की आपसी समझ और मित्रता ने इस बात का संकेत दिया कि हम अपने संबंधों के अगले दौर में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारी भारत यात्रा का उद्देश्य उस रिश्ते को चिरस्थायी मित्रता में तब्दील करना है। अमेरिकी सांसदों के द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना और सांसद माइकल वाल्ट्ज कर रहे हैं। दोनों भारत और भारतीय अमेरिकियों पर द्विदलीय अमेरिकी कॉकस के सह-अध्यक्ष हैं।

थानेदार ने कहा, फिलहाल, अमेरिकी संसद में यह आम धारणा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन की आक्रामकता को ध्यान में रखते हुए भारत के साथ यह संबंध अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

भारत में लड़ाकू विमान के इंजन बनाने के लिए विमान इंजन निर्माता अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के बीच समझौते के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने संकेत दिया कि इसका अमेरिकी संसद द्वारा अनुमोदन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी की हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान, जीई एयरोस्पेस और एचएएल ने भारत में एफ414 इंजन का विनिर्माण करने के लिए वाशिंगटन में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। मोदी की इस यात्रा के दौरान, भारत की अमेरिका से 31 एमक्यू-9बी हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (एचएएलई) ड्रोन खरीदने की योजना को भी अंतिम रूप दिया गया। थानेदार ने कहा, मुझे उम्मीद है कि ड्रोन सौदे और जेट इंजन परियोजना दोनों को अमेरिका में अनुकूल प्रतिक्रिया मिलेगी।

थानेदार ने कहा कि चीन के आक्रामक व्यवहार और उसकी अनुचित व्यापार नीतियों को देखते हुए अमेरिका भारत को एक मजबूत साझेदार बनाना चाहता है। उन्होंने कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि अमेरिका और भारत अंतरिक्ष एवं रक्षा क्षेत्रों में एकसाथ काम करें, रक्षा प्रौद्योगिकियों में नवाचार पर ध्यान केंद्रित करें – चाहे वह ड्रोन हो, या जेट इंजन। उन्होंने कहा, यह सहयोग चीन और रूस को यह कड़ा संदेश देने में काफी मदद करेगा कि उनकी आक्रामकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वैश्विक समस्याओं के समाधान में धार्मिक नेता दे सकते हैं अहम योगदान: लोकेश मुनि

वाशिंगटन/भाषा

जैन समुदाय के प्रतिष्ठित धार्मिक नेता आचार्य लोकेश मुनि ने कहा है कि दुनिया के प्रमुख धर्मों एवं आस्थाओं के नेता मानवता के सामने मौजूद यूक्रेन युद्ध जैसी बड़ी चुनौतियों का समाधान करने और स्थायी शांति स्थापित करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

आचार्य मुनि ने 14 अगस्त से 18 अगस्त तक शिकागो में होने वाली 2023 विश्व धर्म संसद से पहले ‘पीटीआई-भाषा’ से साक्षात्कार में कहा, मैं शिकागो में यही संदेश लेकर पहुंचा हूं।

इस पांच दिवसीय कार्यक्रम में 80 देशों से करीब 10,000 प्रतिनिधि शामिल होंगे। लोकेश मुनि विश्व के उन कुछ धार्मिक नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें पूर्ण सत्र में वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया है।

आचार्य मुनि ने कहा, अब समय आ गया है कि विश्व के नेता शांतिपूर्ण एवं समृद्ध समाज एवं दुनिया के लिए एक रूपरेखा तैयार करें। उन्होंने कहा कि विश्व के प्रमुख धर्मों और आस्थाओं के नेता मानवता के सामने मौजूदा प्रमुख चुनौतियों को हल करने और ऐसे समय में स्थायी शांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, तब यूक्रेन में युद्ध जारी है।

जैन मुनि ने कहा कि मानवता जिन समस्याओं से जूझ रही है, उनमें से किसी का भी समाधान युद्ध, हिंसा एवं आतंक नहीं है तथा सभी मतभेदों एवं विवादों को वार्ता के जरिए सुलझाया जा सकता है। उन्होंने युक्रेन में जारी युद्ध के संदर्भ में कहा कि वर्षों के युद्ध के बाद भी जंग केवल वार्ता के जरिए ही समाप्त होती है, तो इंतजार क्यों करना? वार्ता और कूटनीति को अभी शुरू किया जाए।

लोकेश मुनि ने कहा, युद्ध समाप्त करने के लिए वार्ता अहम है। मेरी अगले सप्ताह विश्व धर्म संसद में इस मामले को उठाने की योजना है।

हजारों लोगों ने जोहानिसबर्ग के प्रसिद्ध वांडरर्स स्टेडियम में ‘इंडिया डे’ मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहानिसबर्ग/भाषा। दक्षिण अफ्रीका में भारत के स्वतंत्रता दिवस को मनाने के लिए वांडरर्स स्टेडियम में आयोजित ‘इंडिया डे’ कार्यक्रम में करीब 15 हजार लोगों ने हिस्सा लिया।

दक्षिण अफ्रीका के आर्थिक केंद्र जोहानिसबर्ग में रह रहे और कार्य कर रहे भारतीयों के संगठन ‘इंडिया क्लब’ द्वारा इस कार्यक्रम की मेजबानी की गई और इस दौरान लगातार 12 घंटे तक पूरे भारत के अलग-अलग नृत्यों सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया गया।

इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के स्थानीय कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति दी। दक्षिण अफ्रीका में कार्य कर रही कई भारतीय कंपनियों ने अपने स्टॉल लगाए थे जिनमें उनके उत्पाद और सेवाओं को प्रदर्शित किया गया जबकि खाने पीने की दुकानों पर भारत और दक्षिण अफ्रीका के व्यंजनों को स्वाद चखने के लिए लोगों की कतार दिखी।

‘इंडिया क्लब’ के अध्यक्ष मनीष गुप्ता ने कहा, हम बढ़ते समर्थन से बहुत ही खुश हैं और यह समर्थन न केवल भारतीय समुदाय से मिल रहा है बल्कि दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले अन्य समुदाय भी साथ आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे 15 अगस्त का जश्न सुविधानुसार सप्ताहांत में आयोजित किया जाता है। उन्होंने बताया कि ‘इंडिया क्लब’ हर साल इस कार्यक्रम का आयोजन करता है, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण उसे दो साल तक ‘इंडिया डे’ के आयोजन को स्थगित करना पड़ा।

गुप्ता ने बताया, हम 15 अगस्त को भारत की आजादी को मनाने के लिए 15 साल पहले जोहानिसबर्ग के उपनगर रैंडबर्ग के शॉपिंग सेंटर में छोटे स्तर पर शुरुआत की थी और कुछ साल बाद हमने लोकप्रिय ‘जू लेक’ मैदान में इसे मनाने की शुरुआत की। उन्होंने कहा, कोविड-19 महामारी के कारण दो साल तक हमारे ‘इंडिया डे’ आयोजित करने की योजना में बाधा आई, लेकिन पिछले साल हमने अनुभव किया कि जू लेक मैदान भी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए छोटा पड़ रहा है, इसलिए हम वांडरर्स स्टेडियम आए जो गत रात पूरी तरह से भर गया था।

दक्षिण अफ्रीका में नवनियुक्त उच्चायुक्त प्रभात कुमार ने कहा, मैं भारत से बाहर हूं, लेकिन अभी महसूस कर रहा हूं कि मैं वापस भारत में ही हूं। मैं पूरे भारत को यहां देख रहा हूं। कई लोग भारत के अलग-अलग क्षेत्रों और राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

अमिताभ बच्चन दुनिया में भारत के सबसे बड़े राजदूत हैं : खन्ना

वाशिंगटन/भाषा

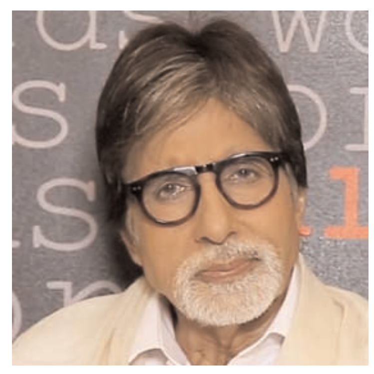

बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन दुनिया में भारत के सबसे बड़े राजदूत हैं। एक शीर्ष भारतीय-अमेरिकी संसद सदस्य ने यह बात कही। अमेरिकी सांसद रो. खन्ना ने शनिवार को मुंबई में अमिताभ बच्चन (80) से मुलाकात के बाद यह टिप्पणी की। खन्ना, ’कांग्रेशनल इंडिया कॉकस’ के सह-अध्यक्ष हैं और वह इंडिया कॉकस के अन्य सह-अध्यक्ष व अमेरिकी सांसद माइकल वाल्टज के साथ भारत में एक द्विदलीय कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने कृत्रिम मेधा (एआई)...भारत के उत्थान, बच्चन के पिता और अमेरिका-भारत संबंधों के महत्व पर एक घंटे तक व्यापक चर्चा की। अमिताभ बच्चन के जीवन की कहानी भारत की कहानी का प्रतीक है। वह दुनिया में भारत के सबसे बड़े राजदूत हैं। खन्ना ने एक सवाल के जवाब में कहा, मैंने श्री बच्चन से कहा कि उन्हें फिर से अमेरिका का दौरा करना चाहिए। वह मेरे परिवार और माता-पिता जैसे कई भारतीय अमेरिकी प्रवासियों को आशा प्रदान करते हैं। वह भारत और भारतीय-अमेरिकियों के उत्थान के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा, हमने शाश्वत मूल्यों – करुणा, सम्मान, विचार, सहानुभूति – के महत्व पर चर्चा की और ये मूल्य अंततः हमारे भविष्य के लिए कितने अधिक मायने रखते हैं। सोशल मीडिया मंच ’एक्स’ (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किए गये एक वीडियो में खन्ना, मुंबई में बच्चन के आवास पर उनसे मुलाकात करते नजर आते हैं। बच्चन ने इस वीडियो के जवाब में लिखा, एक सम्मान और विशेषाधिकार। अमेरिकी सांसद ने अपनी मुंबई यात्रा के दौरान अभिनेता अनुपम खेर से भी मुलाकात की।

सिर चढ़कर बोल रहा है रजनीकांत का जादू

मुंबई/एजेन्सी

साउथ इंडियन मूवीज के सुपरस्टार रजनीकांत (72) की फिल्म ‘जेलर’ भी पूरे देश में धूम मचा रही है। रजनीकांत ने दो साल बाद इस मूवी से सिल्वर स्क्रीन पर कमबैक किया है।

उनका क्रेज ऑडियंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। फिल्म गुरुवार (10 अगस्त) को रिलीज हुई थी और इसने 3 दिन में ही 100 करोड़ का आंकड़ा छू लिया। जिस तरह से रजनीकांत की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा रही है उसे देखते हुए यह कहा जा सकता है कि जेलर 15 अगस्त के दिन 200 करोड़ के आंकड़े को छूने में सफल हो जाएगी।

हालांकि हिन्दी बेल्ट के राजस्थान सर्किट में इस फिल्म को न के बराबर शो में प्रदर्शित किया गया है, लेकिन इन सीमित शोज में उसे देखने वाले दर्शकों की तादाद में लगातार वृद्धि हो रही है।

‘जेलर’ ने तीसरे दिन शनिवार को 35 करोड़ की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कलेक्शन 109.10 करोड़ रुपए हो गया है। फिल्म ने पहले दिन 48.35 करोड़ की कमाई की थी, जिसमें 37.6 करोड़ केवल तमिल भाषा की थी, 10.2 करोड़ तेलुगु, 0.2 कन्नड़ और 0.35 हिंदी भाषा में थी। दूसरे दिन फिल्म ने 25 करोड़ कमाए। फिल्म दुनियाभर में कमाई के आधार पर 150 करोड़ के क्लब में शामिल होने को तैयार है। फिल्म 225 करोड़ के बजट में बनी है। बताया जा रहा है कि रजनीकांत ने 110 करोड़ की फीस ली है। फिल्म में राम्या कृष्णन, मोहनलाल, जैकी श्रॉफ, तमन्ना भाटिया, विनायकन और योगी बाबू ने भी अपनी छाप छोड़ी है।

ईशा देओल ने रखी ‘गदर 2’ की स्पेशल स्क्रीनिंग, साथ नजर आए चारों भाई-बहन

मुंबई/एजेन्सी

‘गदर 2’ की रिलीज ने सनी देओल की जिंदगी में काफी बदलाव किए हैं। देओल परिवार अब पहले से भी ज्यादा करीब आ गया है। सनी की बहनें ईशा और अहाना, भाई सनी और बॉबी के करीब आ गई हैं। दरअसल दो दिन पहले शुक्रवार को सनी ने फिल्म की स्क्रीनिंग रखी थी। इस मौके पर सेलेब्स के साथ सनी के परिवार के लोग भी पहुंचे थे। हालांकि ईशा और अहाना किसी कारणवश वहां नहीं आ पाई थी, लेकिन अब ईशा ने भाई को सरप्राइज दिया है।

ईशा ने ‘गदर 2’ की स्पेशल स्क्रीनिंग की। इस मौके पर सनी, बॉबी और अहाना नजर आए। 40 सालों में ऐसा पहली बार देखा गया, जब सनी के लिए बहनों ने कुछ स्पेशल किया हो। पिछले कुछ दिनों से ईशा कई ऐसी पोस्ट कर रही हैं, जिनसे साफ हो रहा है कि उनके और सनी के परिवार के बीच जरा भी दूरियां नहीं हैं।

पिछले दिनों ईशा, सनी के बेटे करण देओल की शादी में नहीं गई थीं, जिसको लेकर काफी सवाल उठे थे। हालांकि बाद में ईशा ने करण और दृषा को शादी की बधाई दी थी। इसके बाद ईशा ने ‘गदर 2’ का ट्रेलर पोस्ट किया था और रिलीज से एक दिन पहले ही फिल्म के लिए सोशल मीडिया पर चियर किया।

इंडस्ट्री में बड़े निर्देशकों के साथ काम करना हमेशा से मेरी इच्छा थी : मोना सिंह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मोना सिंह अपनी हालिया रिलीज मेड इन हेवन सीजन टू की सफलता से उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि रीमा कागती, जोया अख्तर और अलंकृता श्रीवास्तव के साथ काम करना हमेशा से उनकी इच्छा रही है। मोना ने कहा, मेड इन हेवन सीजन 2 में मेरे प्रदर्शन के लिए मुझे जो प्रशंसा मिल रही है, वह अभिभूत करने वाली है। मैं इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने के लिए बहुत आभारी हूं और इतनी जबरदस्त प्रतिक्रिया पाकर मैं खुश हूं। इतने शानदार कलाकारों और उद्योग के सबसे बड़े निर्देशकों के साथ काम करना हमेशा से मेरी इच्छा रही है, और न केवल निर्देशकों से बल्कि सोशल मीडिया पर भी मेरे किरदार बुलबुल के प्रति इतना स्नेह देखना अविश्वसनीय है। जब मैंने किरदार के लिए शूटिंग शुरू की, तो मुझे यकीन था कि एक बार जब लोग शो देखना शुरू कर देंगे, तो यह उनके साथ जुड़ जाएग। बहुप्रतीक्षित शो को इतना प्यार देने और मेरे किरदार बुलबुल को पसंदीदा बनाने के लिए मैं सभी की आभारी हूं। ’मेड इन हेवन’ एक रोमांटिक ड्रामा वेब सीरीज है। यह सीरीज दिल्ली में मेड इन हेवन नामक एजेंसी चलाने वाले दो वेडिंग प्लानर तारा और करण के जीवन कस बारे में बताती है।

डूडल के माध्यम से गूगल ने श्रीदेवी को दिया ट्रिब्यूट

मुंबई/एजेन्सी

हिन्दी सिनेमा की सुपर सितारा रही श्रीदेवी आज भले ही दुनिया में नहीं हो लेकिन वे अपने अभिनय और खूबसरती के दम पर दर्शकों के दिलों में आज भी जिंदा हैं। श्रीदेवी का आज यानी 13 अगस्त को 60वां जन्मदिन है। उनके चाहने वाले उन्हें तहे दिल से याद कर रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े सर्च इंजन गूगल ने भी श्रीदेवी की याद में उनके प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए एक शानदार डूडल बनाया है। डूडल के माध्यम से गूगल ने श्रीदेवी को ट्रिब्यूट दिया है। गूगल ने अपने होमपेज पर मुंबई बेस्ड गेस्ट ऑर्टिस्ट भूमिका मुखर्जी के द्वारा श्रीदेवी की प्यारी सी तस्वीर बनाकर उन्हें याद किया है। श्रीदेवी का जन्म 13 अगस्त 1963 को एक तमिल परिवार में हुआ था। उनका असली नाम अम्मा यंगर अय्यपन था परंतु उन्हें बॉलीवुड में श्रीदेवी के नाम से पहचान मिली। श्रीदेवी ने 4 साल की उम्र में ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया था। 19 साल की उम्र में अमोल पालेकर की फिल्म ’सोलवा सावन’ में एक्ट्रेस के तौर पर बॉलीवुड में डेब्यू किया। श्रीदेवी ने ’चांदनी’, ’लम्हे’, ’मिस्टर इंडिया’, ’चालबाज’, ’नगीना’,’सदमा’, ’इंग्लिश विंग्लिश’ जैसी फिल्मों में यादगार रोल निभाए। आखिरी बार वह 2017 में आई फिल्म ’मॉम’ में दिखी थीं और शानदार अभिनय के लिए उन्हें नेशनल अवार्ड भी मिला था। श्रीदेवी की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उनकी शादी 1996 में फिल्म प्रोड्यूसर बोनी कपूर के साथ हुई थी। उनके दो बेटियां जाह्नवी और खुशी कपूर हैं। श्रीदेवी ने 24 फरवरी 2018 को दुबई में अंतिम सांस ली थी।

श्वेता के लिए आसान नहीं था मिर्जापुर की गोलू का किरदार

मुंबई/एजेन्सी

पॉपुलर वेब सीरीज मिर्जापुर की ’गोलू गुप्ता’ यानी एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज ’कालकूट’ को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। इस सीरीज में उन्होंने एसिड अटैक सर्वाइवर का किरदार प्ले किया है, इस रोल की वजह से उन्हें काफी सराहना मिल रही है। इस दौरान अभिनेत्री ने एक समाचार एजेंसी को दिए गए साक्षात्कार में बताया कि ’कालकूट’ में एक एसिड अटैक सर्वाइवर की भूमिका उन्हें कैसे मिली। उन्होंने कहा, मैं सुमित को 10 साल से ज्यादा समय से जानती हूं। हमने साथ में एक शॉर्ट फिल्म की। सुमित ने मुझे स्क्रिप्ट भेजी और फिर पूछा कि आप कौन सा पार्ट करेंगी। मैंने पारुल कहा और पढ़ते समय मैंने नहीं सोचा था कि मैं पारुल का किरदार निभा सकती हूं और फिर मुझे लगा कि अगर मुझे एसिड अटैक सर्वाइवर का किरदार निभाने का मौका मिल रहा है, तो क्यों नहीं।’

पॉपुलर वेब सीरीज मिर्जापुर की ’गोलू गुप्ता’ यानी एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज ’कालकूट’ को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। इस सीरीज में उन्होंने एसिड अटैक सर्वाइवर का किरदार प्ले किया है, इस रोल की वजह से उन्हें काफी सराहना मिल रही है। इस दौरान अभिनेत्री ने एक समाचार एजेंसी को दिए गए साक्षात्कार में बताया कि ’कालकूट’ में एक एसिड अटैक सर्वाइवर की भूमिका उन्हें कैसे मिली। उन्होंने कहा,मैं सुमित को 10 साल से ज्यादा समय से जानती हूं। हमने साथ में एक शॉर्ट फिल्म की। सुमित ने मुझे स्क्रिप्ट भेजी और फिर पूछा कि आप कौन सा पार्ट करेंगी। मैंने पारुल कहा और पढ़ते समय मैंने नहीं सोचा था कि मैं पारुल का किरदार निभा सकती हूं और फिर मुझे लगा कि अगर मुझे एसिड अटैक सर्वाइवर का किरदार निभाने का मौका मिल रहा है, तो क्यों नहीं।’

अपनी बात को जारी रखते हुए श्वेता ने आगे कहा, एसिड हमले की पीड़िता के रूप में मैंने कई चीजें खोजी और देखीं, जिन्हें हम अक्सर हल्के में ले लेते हैं। हमने सुंदरता का भ्रम पैदा कर लिया है, बिल्कुल वैसा ही जैसा हमारी त्वचा दिखती है और हमारे बाल जैसे दिखते हैं।

यहां तक कि अगर कोई पिंपल निकल भी आए तो लोग अपने रूप-रंग को लेकर शर्मिंदगी महसूस करने लगते हैं। लेकिन, अगर हम इसे स्वीकार करते हैं, अगर हम इस तरह की किसी चीज़ से परेशान नहीं हैं, तो हम किसी भी चीज़ को वह शक्ति नहीं दे रहे हैं। पिंपल्स होना सामान्य है और त्वचा का रूखा होना भी सामान्य है। वहीं, जब उनसे अब तक के सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिका के बारे में पूछा गया, तो एक्ट्रेस ने कहा, मिर्जापुर’ के तीन सीजन हैं, मैंने आज तक किसी भी शो के तीन सीजन नहीं किए हैं। यह काफी अलग है तो, अगर हम इस तरह से देखें, तो गोलू का किरदार निभाना मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण था। अपनी अपकमिंग वेब सीरीज और फिल्मों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे ऐसे किरदार पसंद हैं, जो कठिन परिस्थितियों में मजबूत व्यवहार करते हैं। गोलू गुप्ता पारुल से बिल्कुल अलग हैं। मिर्जापुर 3 का पोस्ट-प्रोडक्शन चल रहा है। साल के अंत में, हम ’ये काली काली आंखें’ की शूटिंग शुरू करेंगे। वर्कफ्रंट की बात करें तो श्वेता त्रिपाठी ओटीटी की दुनिया के पॉपुलर वेब सीरीज मिर्जापुर 3 और यह काली काली आंखें के दूसरे सीजन का हिस्सा हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस विजय वर्मा की हालिया रिलीज वेब सीरीज ’कालकूट’ में नजर आई थीं।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

परिवार एक पवित्र तथा उपयोगी संस्था है। इसमें मानव की सर्वांगीण उन्नति का आधार सहयोग, सहायता और पारस्परिकता का भाव रहता है। यह भाव वह शक्ति है जिसके आधार पर मनुष्य आदि- जंगली स्थिति से उन्नति करता करता आज की सभ्य स्थिति में पहुँचा है। सहयोग की भावना ही मनुष्य जाति की उन्नति का मूल कारण रही है। एकता, सामाजिकता, मैत्री आदि की सहयोगमूलक शक्ति ने आज मानव सभ्यता को उच्चता पर पहुँचा दिया है । पूरा समाज सहयोग और पारस्परिकता के बल पर ही चल रहा है।

प्रेम की कमी में जीवन वीरान है : साध्वी चैतन्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम के ए एम के एम सेन्टर में विराजित साध्वी श्री चैतन्याश्रीजी म.सा.ने अपने प्रवचन मे बताया कि प्रभु परमात्मा फरमाते हैं प्रेम से प्रभु तक हमें अपनी आत्मा को पहुंचाया जा सकता है। कबीरजी ने बताया है 'पोथी पढ़-पढ़ जग मुआ पंडित भया न कोय, ढाई अक्षर प्रेम के पढ़े सो पंडित होय' प्रेम की कमी से यह जीवन वीरान होता है। मोह और प्रेम दोनों अलग-अलग होता है। प्रेम यह ऊर्ध्वगति की ओर, मोह अधोगति में लेकर जाएगा। गौतम स्वामी का प्रभु से प्रेम स्नेह था जो मोक्ष पहुंचने वाला यह प्रेम है। चक्रवर्ती की स्त्री को मोह के कारण नरक में जाना पड़ता है। यह प्रशक्त प्रेम के अनेक प्रकार हैं जैसे भक्ति मैत्री और करुणा को भी प्रेम है। रस पवित्र प्रेम से आपको वितरागता प्राप्त करने वाली है।

जहां प्रेम होता है वहां संग्रह वृत्ति कम हो जाएगी यानी जहां प्रेम है वहां देने का मन होता है। लेकिन आज की स्थिति जो चीज आपकी है वह भी मेरी और मेरी भी मेरी रहेगी। प्रेम के स्थान पर संघर्ष नहीं कमी नहीं होता है। पिता या पुत्र में संघर्ष क्यों, प्रेम का अभाव के कारण। संसार में श्रेष्ठ लेखक उसे कहते हैं जिसके लाइन में कॉमा ज्यादा है, फुल स्टाप नहीं है। तो वो बुक हमें पसंद नहीं आती है। वैसे अपने जीवन में जहां संघर्ष हो रहा है यह देखा तो फुल स्टॅाप लगाकर उसे दि एंड करा दिया।

रामायण यह प्रेम की कहानी है। राम वनवास में गए भरत ने उन्हे सिंहासन पर बैठने का आग्रह किया, नहीं माने तो उनकी पादुका भरत ने राज सिंहासन पर रखी यह था भाई के प्रति सच्चा प्रेम। महाभारत यह संघर्ष की कहानी है भाई भाई को पांच गांव देने के लिए तैयार नहीं थे इसलिए युद्ध हुए। प्रेम में संवेदना होनी चाहिए। प्रीति की रीत गन्ने से सीखना है। जहां गांठ है वहां मधुर रस नहीं होता है। वैसे ही हमें जीवन में संघर्ष की गांठे नहीं बांधना, प्रेम जहां है वहां मन दिल समर्पण करता है। मान और सम्मान देना सीखो तो ही यह प्रेम का रिश्ता जुड़ा रहेगा। प्रचार प्रसार समिती के संयोजक गौतमचन्द गुगलिया ने बताया की रविवार को 200 छोटे बच्चों ने दया की साधना में भाग लिया है। आज की धर्म सभा में महाराष्ट्र, बेंगलूरु और आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालु उपस्थित थे। यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने दी।

धर्म स्वयं के अवतरण के लिए है : मुनि वैभवरत्नविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट के राजेन्द्र भवन में आचार्यश्री जयंतसेनसूरीश्वरजी के शिष्य मुनि डॉ. वैभव रत्नविजयजी म. सा. ने रविवार को अपने प्रवचन में कहा कि धर्म केवल दुखों से मुक्ति पाने के लिए या सुख प्राप्ति के लिए ही नहीं है किंतु स्वयं के अवतरण के लिए ही है। जैन दर्शन की मूलभूत परंपरा अदृश्य शक्तियों के आविष्कार से जुड़ी है। अमर कुमार की अमर कथा बताते हुए उन्होंने कहा कि अमर कुमार ने स्वयं के दुखों की मुक्ति के लिए देवी देवता को विनती नहीं की किंतु अमर कुमार की सम्यक् श्रद्धा के बल से देवी देवता के मालिक ऐसे इंद्र महाराज खींचकर उनकी सेवा में हाजिर हो गया और आग का सोने का सिंहासन के रूप में निर्माण कर दिया था। जहां अंधश्रद्धा का जोर बढ़ता है वहां धर्म की शुद्धि का नाश होता है। सबसे बड़ा पाप स्वार्थ का है क्योंकि यह पाप न भाई, न बहन, न माता, न पिता किसी की चिंता नहीं करता और स्वयं की इच्छा को ही पूर्ण करना चाहता है। प्रभु महावीर स्वामी ने परिग्रह के लिए कहा कि वस्तुओं को इकट्ठा करना वह परिग्रह नहीं है किंतु वस्तुओं के लिए राग का भाव, मेरे पने का भाव वह परिग्रह है।

आचार्य श्री राजेंद्र सूरीश्वरजी म. ने स्वयं के जीवन में खुद के लिए द्वेष, वैर रखने वाले जीवो के लिए भी स्नेह भाव, मैत्री भाव, करुणा का भाव रखा था, जो परिवार में धर्म की महिमा, धर्म की पालन, धर्म की सुरक्षा नहीं है वहां दु:ख ही दु:ख है। यदि जीवन में संस्कार और संस्कृति हमारे में नहीं तो परिवार में भी नहीं आएगा। जो साधक जगत के सर्वजीव और सर्व चीजों के लिए राग-द्वेष मुक्त है वह साधक ही स्वयं के जीवन को अमर बना देता है। जैन दर्शन केवल कर्म के परिवर्तन के लिए ही नहीं किंतु हमारे भावों, मान्यता के परिवर्तन के लिए ही जैन दर्शन है।

सहयोग की भावना ही मनुष्य की उन्नति का मूल कारण : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरिजी मुनि श्री महापद्मसागरजी के सान्निध्य में रविवारीय शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे। शिविर का संपूर्ण लाभ संघवी महेंद्रकुमार चुन्नीलाल सोलंकी परिवार ने लिया। शिविर के तहत आचार्यश्री ने कहा कि परिवार एक पवित्र तथा उपयोगी संस्था है। इसमें मानव की सर्वांगीण उन्नति का आधार सहयोग, सहायता और पारस्परिकता का भाव रहता है। यह भाव वह शक्ति है जिसके आधार पर मनुष्य आदि- जंगली स्थिति से उन्नति करता करता आज की सभ्य स्थिति में पहुँचा है। सहयोग की भावना ही मनुष्य जाति की उन्नति का मूल कारण रही है। एकता, सामाजिकता, मैत्री आदि की सहयोगमूलक शक्ति ने आज मानव सभ्यता को उच्चता पर पहुँचा दिया है । पूरा समाज सहयोग और पारस्परिकता के बल पर ही चल रहा है। यदि समाज से सहयोग की भावना नष्ट हो जाये तो तुरन्त ही चलते हुए कारखाने, होती हुई खेती और बढ़ती हुई योजनाएँ व विकास पाती हुई कलाएँ, शिल्प, साहित्य आदि की प्रगति रुक जाये और कुछ ही समय में समाज जड़ता से अभिभूत होकर नष्ट हो जाये। सहयोग मानव विशेषताओं में एक बड़ी विशेषता है, परिवार में जिसका होना नितान्त आवश्यक है। आचार्यश्री ने आगे कहा कि परिवार की प्रतिष्ठा हमारी प्रतिष्ठा, परिवार की उन्नति हमारी उन्नति, उसकी समृद्धि हमारी समृद्धि और उसकी लाभ हानि हमारी लाभ-हानि है, ऐसी आत्म- भावना पारिवारिकता का विशेष लक्षण है। हम कोई ऐसा काम न करें, जिससे परिवार की प्रतिष्ठा पर आँच आये। किसी सदस्य पर कोई अवांछनीय प्रभाव पड़े, परिवार की उन्नति में अवरोध उत्पन्न हो अथवा उसकी समृद्धि एवं वृद्धि में प्रतिकूलता आये, ऐसा सतर्क भाव ही तो पारिवारिकता कहा जायेगा। जहाँ यह सब बातें पाई जायें, वहाँ समझना चाहिए कि लोग वास्तविक रूप में परिवार बनकर रह रहे हैं। जहाँ स्वार्थ, वैमनस्य, भाव-वैषम्य, अथवा सुख-दु:ख में विषमता की गन्ध पाई जाये, वहाँ मानना होगा कि एक साथ अनेक के रहने पर भी वहाँ परिवार भावना नहीं है। पारिवारिक भावना के अभाव में ही भाई-भाई लड़ते, बहिनें एक दूसरे से मन-मुटाव मानती, सास-बहू के बीच बनती नहीं और देवरानी जेठानी एक दूसरे से दाह व ईर्ष्या करती हैं। जितने मुकदमे दूसरों से विवाद के नहीं चलते, उससे कई गुना मुकदमे पारिवारिक कलह के कारण दायर होते और चलते रहते हैं। चाचा- ताऊ, बाप-बेटों और बाबा-पोतों तक में संघर्ष होता रहता है। इस अनिष्ट का एकमात्र कारण यही है कि एक परिवार होते हुए भी वे सब पारिवारिक भावना से रहित हैं।

दर्शन लाभ
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के वर्धमान जैन सेवा संघ के एक प्रतिनिधि मंडल जिसमें संघ के उपाध्यक्ष गौतम धारीवाल, संस्थापक राजेश गादिया, पूर्व अध्यक्ष बबलू ललवाणी, राजेश हरण, अजय सकलेचा व हेमंत भंसाली ने रविवार को बेंगलूरु के गणेश बाग में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी श्री विजयलताजी म. सा. के दर्शन लाभ लिए। साध्वीश्री का वर्ष 2019 में कोयम्बटूर प्रवास की स्मृति इस मौके पर ताजा हो गई।

भारत कि आन बान शान थे शूरवीर महाराणा प्रताप : महासती धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के एसएस जैन भवन में साध्वीश्री धर्मप्रभा ने बताया कि भारत की आन, बान, शान थे शूरवीर महाराणा प्रताप। उन्होंने कहा कि भारत की वीर भूमि में अनेक शूरवीरों को जन्म दिया है। लेकिन मातृभूमि की रक्षा और आत्म गौरव लिए महाराणा प्रताप ने अपना सर्वस्व न्यौछावर करके मुगलों कि अधीनता को नहीं स्वीकारा और मेवाड़ को गुलाम नहीं होने दिया। त्याग, तपस्या, स्वतंत्रता के पुजारी महाराणा प्रताप का जीवन शौर्य एवं संघर्ष का हमारे लिए प्रतीक है। उनके जैसा बलिदानी योध्दा न हुआ है और न ही हो सकता है। महाराणा के उपकारों को कोई नही भुला सकता है। आज हमारा देश और धर्म सुरक्षित है तो प्रताप की ही देन है। महाराणा प्रताप नीतिवान, धर्म परायण, न्याय प्रिय, सुसंस्कारवान और नेक असूलों पर चलने वाले महान राजा हुए थे। उन्होंने जीवन मे कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। प्रताप एक शूरवीर योद्धा थे। जिन्होंने मुट्ठी भर सेना होने के बाबजूद भी अकबर की बड़ी सेना को हल्दी घाटी के युद्ध में धूल चटवा दी थी। हल्दी घाटी के युद्ध में अकबर जीत कर भी हार गया और महाराणा प्रताप हार कर भी जीत गये। महाराणा ने कठिन से कठिन परिस्थितियों मे अपने धर्म और नेक नीति को नहीं छोड़ा और अंतिम सांस तक युध्द लड़ते रहे और देश और धर्म को बचाने लिए प्राणों का बलिदान दे दिया था। महाराणा प्रताप के स्वाभिमान त्याग और बलिदान का संदेश हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। हम उनके जीवन से प्रेरणा लेकर उनके आदर्शों को आत्मसात कर देश प्रदेश कि सेवा करने के जज्बे को हम अपने जीवन में उतार लेंगे तो हम भी धर्म और देश की रक्षा सकते। साहुकारपेट संघ के महामंत्री सज्जनराज सुराणा ने बताया कि साध्वी धर्मप्रभा, साध्वी स्नेहप्रभा के सान्निध्य में संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी कार्याध्यक्ष महावीरचन्द सिसोदिया,एन. राकेश कोठारी,सुरेश डूगरवाल, पदमचन्द ललवानी, माणक चन्द खाबिया,रमेश दरड़ा महावीर कोठारी, बादलचन्द कोठारी, हस्ती मल खटोड़,देवराज लुणावत,मोतीलाल ओस्तवाल, अशोक कांकरिया,शांतिलाल दरड़ा,अशोक सिसोदिया ज्ञान चौरड़िया आदि की उपस्थिति में श्री मरुधर केसरी मिश्रीमलजी म. सा. और लोकमान्य संत रूपमुनिजी म. सा. की जयंती समारोह की आमंत्रण पत्रिका का विमोचन किया गया। बेंगलूरु से आए देवीलाल पीतलिया और चेन्नई के हस्तीमल खटोड़ ने गीत के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी।

यहां जैन भवन में मरुधर केसरी रूपचन्द महाराज की जयंती समारोहों के लिए आमंत्रण पत्रिका का विमोचन साध्वीवृंद की निश्रा में किया गया।

पार्श्वनाथ पंचकल्याणक
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के आरएस पुरम् स्थित श्री जिनदत्तसूरी दादावाड़ी में रविवार को पर्युषण पर्व के पहले दिन शक्रस्तव अभिषेक एवं पार्श्वनाथ पंच कल्याणक पूजन का आयोजन किया गया। विद्याचार्य रत्नेश मेहता ने मंत्रोच्चारण के साथ विधिपूर्वक पूजा पढ़ाई।

चौरासी को ब्रजमंडल परिक्रमा कथा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज के द्वारका हाल में 11 अगस्त से पांच दिवसीय चौरासी कोस ब्रज परिक्रमा कथा का शुभारंभ हुआ। सुबह बड़ी संख्या में उपस्थित वैष्णवजनों की उपस्थिति में कलश यात्रा और शोभा यात्रा निकाली गई। 51 महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर यात्रा में भाग लिया। कथा वाचक गोस्वामी 108 श्री यदुनाथजी महोदयश्री ने इस शोभा यात्रा का मार्गदर्शन किया। गोस्वामी 108 श्री प्रथमेशजी महोदयश्री के साथ रथ पर विराजमान होकर शोभा यात्रा की शोभा बढाई।

कथा स्थल पर पहुंचकर हॉल में कलशों की स्थापना की गई बाद में महोदयश्री के श्री मुख से वचनामृत का श्रवण पान किया गया।

कथा में चौरासी कोस परिक्रमा की पावन कथा गोस्वामीश्री ने बताई। संगीतमय इस कथा में समस्त वैष्णवजन अभिभूत हुए। कथा श्रवण के दौरान गोस्वामीजी ने ऐसा माहौल बनाया कि सभी को लगा कि वे ब्रजधाम में बैठे कथा का श्रवण कर रहे हैं। प्रतिदिन कथा से संबंधित भव्य झांकी भी प्रस्तुत की जाती है। यह कथा 15 अगस्त तक चलेगी।

श्रीनाथ सत्संग ट्रस्ट चेन्नई के प्रतिनिधित्व में और डीजी वैष्णव कालेज के सचिव श्री अशोक कुमार मूँधड़ा ने समस्त सभा स्वागत किया। ट्रस्ट के सभापति ने अशोक कुमार मूंधड़ा के साथ गोस्वामीजी का अभिनंदन किया। मुख्य मनोरथी मनोज, परेश, षण्मुख भाई शाह ने सभी वैष्णव जनो का आदर सत्कार किया। रविवार को कथा के तीसरे दिन रास प्रसंग मनोरथ और विवाह खेल दर्शन प्रसंग था।

समर्पण
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु में स्थित 181 जिनमंदिरों पर एक भव्य ग्रंथ की प्रथम प्रति रविवार को श्री केशरवाड़ी तीर्थ में दादा आदिनाथ के चरणों में समर्पित की गई। यह ग्रंथ 400 पेज का बहुरंगी सुन्दर जिल्द के साथ है। इसमें हर एक मंदिर के बारे में विस्तृत जानकारी, मंदिर की सुन्दर फोटो आदि हैं। यह पुस्तक सम्राट संप्रति आर्य शिल्पशाला एवं नवकार प्रिंटर्स के संयुक्त उपक्रम में प्रकाशित की गई है। अर्पण उत्सव में शांतिलाल खांटेड, परसमल वैद, भेरूभाई, इंदरमल चोवटिया, महेन्द्र चौहान, नीलेश जैन आदि उपस्थित थे।

सुन्दरकांड पाठ में अनेक कावड़ियों ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। यहां मां दुर्गा भक्त मंडल के तत्वावधान में 1314वां सुन्दरकांड पाठ का आयोजन किया गया। रविवार को शिव भक्त मंडल कावड़ यात्रा का भी आयोजन किया गया। तिरुपुर सेवा समिति तिरुपुर मंदिर परिसर में संगीतमय सुन्दर कांड का पाठ सायं 5 बजे से पंडित हरिशंकर तिवारी ने गणेश वंदना एवं मंत्रोच्चारण के साथ शुरु किया। पाठ में काफी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ कावड़ी यात्री भी पहुंचे। मां दुर्गा भक्त मंडल की ओर से अध्यक्ष अशोक शर्मा, एवं उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने शिव भक्त मंडल तिरुपुर का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर मां दुर्गा भक्त मंडल के पदाधिकारी मुलचंद शर्मा, नवीन कुमार शर्मा, अनील शर्मा, लिलाधर शर्मा, रवि शर्मा, महावीर शर्मा, सागर कश्यप आदि एवं शिव भक्त मंडल के अनिल शर्मा, लिलाधर शर्मा, रमेश पाण्डे, अजय चौबे, अरविंद शर्मा, सागर कश्यप आदि ने भाग लिया। गौरतलब है कि दुर्गा भक्त मंडल संस्था प्रत्येक रविवार को सदस्यों के घर-घर जाकर भक्ति की प्रेरणा एवं धर्म मार्ग पर चलने की बात बताते हुए नि:शुल्क सुन्दर कांड का पाठ करती आ रही है।

निर्धन की सेवा ही सर्वोपरि है : हेमन्त महाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के अम्मन कोईल स्ट्रीट स्थित खेतेशवर भवन में नारायण सेवा संस्थान उदयपुर में कृत्रिम अंग वितरण का कार्यक्रम हुआ। नारायण सेवा संस्थान उदयपुर शाखा तमिलनाडु के प्रदेश अध्यक्ष केशरसिंह गादाणा ने बताया कि 60 गरीब परिवारों के लोगों को कृत्रिम हाथ और कृत्रिम पैर बाँटे गये। समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में गौ भक्त कथा वाचक हेमंत महाराज जोधपुर वाले उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में माथुरी राठी, रामलाल सुथार उपस्थित थे। इस मौके पर कथा वाचक हेमंत महाराज ने कहा कि संस्थान द्वारा जो सेवा कार्य किया जा रहा है वह सराहनीय है। मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है। परमार्थ के लिए कार्य करते हुए जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। सभी का मेवाड़ की पगड़ी और श्रीनाथजी के दुप्पटे से स्वागत किया गया। दानदाता कानसिंह चाडवास, पवनकुमार, नारायण सिंह, सुमेरसिंह, सज्जनसिंह ठाकुरला, जसवंत सिंह बासनी, शिवसिंह, पारसमल भागीरथ सुथार, राजाराम आदि का स्वागत किया गया। जरूरतमंद दिव्यांगों को कृत्रिम पैर अतिथियों ने दिए।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.